राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 19 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-150 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाई कोर्ट जज ने सुप्रीम कोर्ट से मांगा न्याय

जस्टिस वर्मा की सुप्रीम कोर्ट में याचिका- जांच समिति की रिपोर्ट रद्द करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कैश कांड केस में खुद को दोषी ठहराने वाली जांच रिपोर्ट को रद्द करने की मांग की है।

जस्टिस वर्मा ने अपील में कहा कि उनके खिलाफ जो कार्यवाही की गई, वह न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। मुझे खुद को साबित करने का पूरा मौका नहीं दिया गया। कार्यवाही में एक व्यक्ति और एक संवैधानिक अधिकारी दोनों के अधिकारों का उल्लंघन किया गया है। यह याचिका संसद का मानसून सत्र शुरू होने से कुछ दिन पहले आई है। सत्र के दौरान जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किया जा सकता है।

पूर्व सीजेआई ने कदम उठाने को किया मजबूर

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि उस समय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को चिट्ठी भेजकर सांसदों को यह कदम उठाने को मजबूर किया। रमेश ने कहा कि ये प्रस्ताव महाभियोग नहीं, बल्कि 1968 के जजेज (इन्क्वायरी) एक्ट के तहत जांच समिति गठित करने के लिए है। यह समिति जांच कर रिपोर्ट देगी और फिर संसद में कार्रवाई होगी।

विपक्ष जस्टिस शेखर यादव का मामला भी उठाएगा

रमेश ने यह भी दोहराया कि विपक्ष जस्टिस शेखर यादव के मामले को भी जोर से उठाएगा, जिन पर सांप्रदायिक भाषण देने का आरोप है। उनके खिलाफ पिछले दिसंबर में राज्यसभा में 55 सांसदों ने प्रस्ताव दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

जांच रिपोर्ट 19 जून को सामने आई थी

कैश केस की जांच कर रहे सुप्रीम कोर्ट के पैनल की रिपोर्ट 19 जून को सामने आई थी। 64 पेज की रिपोर्ट में कहा गया कि जस्टिस यशवंत वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का स्टोर रूम पर सीक्रेट या एक्टिव कंट्रोल था। 10 दिनों तक चली जांच में 55 गवाहों से पूछताछ हुई और जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास का दौरा किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि आरोपों में पर्याप्त तथ्य हैं। आरोप इतने गंभीर हैं कि जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए कार्यवाही शुरू करनी चाहिए।

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट एक षड्यंत्र का हिस्सा

-राहुल गांधी ने कहा-मेरे जीजा को दस साल से परेशान कर रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट को षड्यंत्र का हिस्सा बताया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाए कि उनके बहनोई रॉबर्ट वाड्रा को पिछले दस साल से बीजेपी सरकार परेशान कर रही है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि मेरे जीजा रॉबर्ट वाड्रा को पिछले दस सालों से यह सरकार परेशान कर रही है। यह चार्जशीट उसी षड्यंत्र का एक और हिस्सा है। मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ हूं, क्योंकि वे दुर्भावनापूर्ण, राजनीतिक रूप से प्रेरित आरोपों और उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। उन्होंने लिखा- मुझे पूरा यकीन है कि वे सभी किसी भी तरह के अत्याचार का साहसपूर्वक सामना करने में सक्षम हैं और वे हमेशा की तरह गरिमा के साथ इसे सहन करेंगे आखिरकार सच्चाई की जीत होगी। बता दें ईडी ने गुरुवार को रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की। ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनी की 37.64 करोड़ रुपए की 43 संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अटैच भी किया। ईडी की चार्जशीट के मुताबिक रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने गुरुग्राम जिले के शिकोहपुर गांव में 3.53 एकड़ जमीन ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 7.5 करोड़ रुपए में झूठे दस्तावेजों के आधार पर धोखाधड़ी से खरीदी थी। इसमें यह भी कहा गया है कि रॉबर्ट वाड्रा ने रसूख का इस्तेमाल कर खरीदी गई जमीन पर व्यावसायिक लाइसेंस हासिल किया। यह जमीन खरीद सौदा फरवरी 2008 में हुआ था, जब हरियाणा में कांग्रेस सरकार थी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा सीएम थे। नामांतरण की प्रक्रिया, जिसमें आमतौर पर महीनों लगते हैं, वह अगले ही दिन पूरी हो गई थी। कुछ महीनों बाद रॉबर्ट वाड्रा को वहां एक हाउसिंग सोसाइटी बनाने की अनुमति दी गई और उस जमीन की कीमत काफी बढ़ गई। जून में उन्होंने यह जमीन डीएलएफ को 58 करोड़ रुपए में बेच दी। ईडी को शक है कि इस सौदे से मिली रकम मनी लॉन्ड्रिंग का हिस्सा हो सकती है। ईडी इसकी जांच कर रही है। इस साल अप्रैल में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा से ईडी ने कई दौर की पूछताछ की थी और उनका बयान दर्ज किया था।

अंत्योदय की भावना एक साझा जिम्मेदारी है: ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज जोर दिया कि 2047 तक विकसित भारत की यात्रा में भारतीय युवाओं के लिए सही मार्गदर्शन, तकनीकी सहायता और नीति-निर्माण की आवश्यकता है। इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ने समाज और राष्ट्र के समग्र विकास में सामाजिक संगठनों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। बिरला ने कहा कि अंत्योदय (अंतिम व्यक्ति का उत्थान) की भावना को साकार करना और यह सुनिश्चित करना एक साझा जिम्मेदारी है कि समाज का कोई भी व्यक्ति प्रगति की दौड़ में पीछे न छूटे। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में जैन समुदाय के प्रयास प्रेरणादायक और अनुकरणीय हैं। बिरला ने कहा कि भारत के युवा न केवल संख्या में, बल्कि दृढ़ संकल्प के संदर्भ में भी विशाल हैं।

मोदी ने बिहार में किया 5381 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

जनसभा को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस और आरजेडी की बुरी नजर से बिहार को बचाना

- आरजेडी और कांग्रेस के राज में गरीब को पक्के घर मिलना असंभव

मोतिहारी (एजेंसी)। बिहार के मोतिहारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित कर आरजेडी और कांग्रेस पर खूब निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी गरीबों, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के नाम पर राजनीति करती आई हैं, लेकिन बराबरी का अधिकार दूर, ये परिवार से बाहर के लोगों को सम्मान तक नहीं देते। इन लोगों का अहंकार आज पूरा बिहार खुद देख रहा है। हमें बिहार को इनकी बुरी नीयत से बचाकर रखना है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधकर कहा कि पूर्वी भारत को आगे बढ़ाने के लिए हमें बिहार को विकसित बिहार बनाना है। आज बिहार में इतनी तेजी से काम इसकारण हो रहा है क्योंकि केंद्र और राज्य में बिहार के लिए काम करने वाली सरकार है। जब केंद्र में कांग्रेस और आरजेडी की सरकार थी, तब यूपीए के 10 साल में बिहार को सिर्फ 2 लाख करोड़ रुपए के मिले। इसका मतलब साफ हैं कि नीतीश जी की सरकार से ये लोग बदला ले रहे थे। बिहार और बिहारवासियों से बदला ले रहे थे। 2014 में केंद्र में आपने मुझे सेवा करने का मौका दिया। केंद्र में आने के बाद मैंने बिहार से बदला लेने वाली उस पुरानी राजनीति को भी समाप्त कर दिया। बीते 10 साल में, एनडीए के 10 वर्षों में बिहार के विकास के लिए जो राशि दी गई है, वहां पहले से कई गुना ज्यादा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस और राजद के मुकाबले कई गुना ज्यादा पैसा बिहार को 10 सालों में हमारी सरकार ने दिया। ये पैसा बिहार में जनकल्याण और विकास परियोजनाओं के लिए दिया गया है। आज की पीढ़ी को जानना जरूरी है कि बिहार दो दशक पहले किस तरह हताशा में डूबा हुआ था। आरजेडी और कांग्रेस के राज में विकास पर ब्रेक लगा हुआ था, गरीब का पैसा गरीब तक पहुंचना असंभव था। जो शासन में थे, उन लोगों में बस यही सोच थी कि कैसे गरीब के हक का पैसा लूट लें।

उन्होंने कहा कि बिहार असंभव को भी संभव बनाने वाले वीरों की धरती है। आप लोगों ने धरती को आरजेडी और कांग्रेस की बेड़ियों से मुक्त किया, असंभव को संभव बनाया। इसकी परिणामा हैं कि आज बिहार में गरीब कल्याण को योजनाएं सीधे गरीबों तक पहुंच रही है। बीते 11 वर्षों में पीएम आवास योजना के तहत देश में गरीबों के लिए 4 करोड़ से भी ज्यादा घर बने हैं। इसमें करीब 60 लाख घर सिर्फ बिहार में बने हैं। हमारे अकेले मोतिहारी जिले में ही 3 लाख के करीब गरीब परिवारों को पक्के घर मिलें हैं और गिनती लगातार बढ़ रही है। आरजेडी और कांग्रेस के राज में गरीब को इसतरह के पक्के घर मिलना असंभव था। जिन लोगों के राज में लोग अपने घरों में रंग-रोगन तक नहीं करवाते थे, डरते थे कि अगर रंग-रोगन हो गया, तब पता नहीं कि मकान मालिक को ही उठवा लिया जाए।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूरब में मोतिहारी का नाम हो। जिस तरह के मौके गुरुग्राम में हैं, वैसे ही अवसर गया जी में भी बनें। पुणे की तरह पटना में भी औद्योगिक विकास हो। सूरत की तरह ही संथाल परगना का भी विकास हो। जयपुर की तरह जलपाईगुड़ी और जाजपुर में भी टूरिज्म के नए रिकॉर्ड बनें। बेंगलुरु की तरह वीरभूम के लोग भी आगे बढ़ें।

इसके पहले पीएम मोदी ने रैली की शुरुआत में कहा, ये धरती चंपारण की धरती है। इस धरती ने इतिहास बनाया है। आजादी के आंदोलन में इस धरती ने गांधी जी को नई दिशा दिखाई। अब इसी धरती की प्रेरणा बिहार का नया भविष्य बनेगी। आज यहां से 7 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास हुआ है। मैं आप सभी को और सभी बिहारवासियों को इन विकास परियोजनाओं की बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ की परियोजनाओं का किया उद्घाटन और बोले- भारत की दुनियाभर में हो रही वाहवाही

दुर्गापुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में 5,400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं तेल और गैस, बिजली, सड़क, रेलवे और कनेक्टिविटी से जुड़ी हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज जिस गति से विकास कर रहा है, उसकी सराहना पूरे विश्व में हो रही है। पीएम मोदी ने कहा, कि आज दुर्गापुर और रघुनाथपुर के कारखानों को नई तकनीक से लैस किया जा रहा है। इनमें करीब 1,500 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। मैं इन परियोजनाओं के लिए पश्चिम बंगाल की जनता को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य से सरकार हर क्षेत्र में तेज़ी से कार्य कर रही है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने गैस कनेक्टिविटी पर बीते एक दशक में हुए कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हर घर तक एलपीजी पहुंचाने का काम तेजी से हुआ है। 'वन नेशन, वन गैस' की सोच के तहत प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा योजना चलाई जा रही है, जिसमें बंगाल सहित छह पूर्वी राज्यों में गैस पाइपलाइन बिछाई जा रही है। रेलवे क्षेत्र में किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि पश्चिम बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज की सौगात दी गई है। उन्होंने कहा, बंगाल उन अग्रणी राज्यों में से है जहां वंदे भारत ट्रेनों का संचालन सबसे अधिक हुआ है। कोलकाता मेट्रो का भी तेजी से विस्तार हो रहा है और रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्गापुर की महत्वता पर ज़ोर देते हुए कहा, कि दुर्गापुर सिर्फ एक स्टील सिटी नहीं, बल्कि यह भारत की श्रमशक्ति का प्रमुख केंद्र भी है। यहां की परियोजनाएं देश की कनेक्टिविटी को मजबूती देंगी और गैस-आधारित अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेंगी। इससे पहले पीएम मोदी बिहार के मोतिहारी, दरभंगा और पटना में 7200 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर चुके हैं। बिहार को चार नई अमृत भारत ट्रेनों की भी सौगात मिली। यह दौरा विकास की नई रफ्तार का प्रतीक बनकर उभरा है।

जनता के हमदर्द नहीं माकपा और संघ : राहुल गांधी

कोट्टायम (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और मार्कसवादी कमयुनिस्ट पार्टी (माकपा) पर जनता के प्रति भावनाहीनता का आरोप लगाया है। केरल के पुथुपल्ली में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की याद में आयोजित स्मृति सभा के दौरान कांग्रेस सांसद ने ये आरोप लगाए हैं।

कोट्टायम के पुथुपल्ली में आयोजित ओमन चांडी स्मृति संगमम में सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरएसएस और माकपा पर जनता के प्रति कोई भावना न रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये लोग विचारधारा से तो लड़ते हैं, लेकिन जनता के प्रति संवेदना का इनमें अभाव है।

राहुल गांधी ने कहा, मेरी संघ और माकपा से वैचारिक लड़ाई है, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत ये है कि ये लोगों के बारे में नहीं सोचते। उनके मन में जनता के लिए कोई भावना नहीं है। मेरी यही सबसे बड़ी शिकायत यह है कि अगर आप राजनीति में हैं तो लोग क्या सोचते हैं, उसे महसूस करें। उनकी बात सुनें और उन तक पहुंचने की कोशिश करें। लेकिन भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि आज बहुत कम लोग हैं, जो असल में दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखते हैं।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने कहा, मेरे लिए ओमान चांडी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं हैं, वे केरल की राजनीति की एक अभिव्यक्ति हैं। यहां की राजनीति में ऐसे लोगों को आगे लाने की परंपरा रही है। मेरी आकांक्षा ओमान चांडी जैसे ज्यादा से ज्यादा लोगों को आगे लाने की है। मैं अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही ओमान चांडी के संपर्क में आया था और मुझे कहना होगा कि मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है।

इससे पहले राहुल गांधी ने केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) द्वारा आयोजित ओमान चांडी स्मृति सभा और केपीसीसी की धर्मार्थ गतिविधियों की शुरुआत की। उस अवसर पर उन्होंने ओमान चांडी फाउंडेशन द्वारा निर्मित 12 घरों की चाबियां भी सौंपी। सभा में यूडीएफ नेताओं और समुदाय व सांस्कृतिक क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। राहुल गांधी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ए.के. एंटनी से भी मुलाकात की।

पहलगाम अटैक के गुनहगार टीआरएफ को अमेरिका ने आतंकवादी संगठन घोषित किया

वॉशिंगटन(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला करने वाले लश्कर के मुखौटा आतंकी संगठन टीआरएफ यानी द रजिस्टेंस फ्रंट को अमेरिका ने आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। अमेरिका ने 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक के लिए उस आतंकी संगठन को जिम्मेदार माना है। यह तब हुआ है, जब आसिम मुनीर ने बीते दिनों अमेरिका जाकर डोनाल्ड ट्रंप का चरण वंदन किया था, मगर कोई फायदा नहीं हुआ। अब अमेरिका ने भारत की बात पर मुहर लगा दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की ओर से जारी एक बयान में इस बात को स्वीकार किया गया कि इस आतंकी संगठन टीआरएफ ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर केपहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की ज़िम्मेदारी ली थी।

बयान के मुताबिक, 'आज विदेश विभाग ने द रेजिस्टेंस फ्रंट को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित किया है। टीआरएफ, लश्कर-ए-तैयबा का एक फ्रंट और मुखौटा संगठन है। उसने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। उसमें 26 नागरिक मारे गए थे। यह 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत में नागरिकों पर सबसे घातक हमला था, जिसे लश्कर ने अंजाम दिया था। टीआरएफ ने भारतीय सुरक्षा बलों पर कई हमलों की भी जिम्मेदारी ली है, जिनमें सबसे हालिया 2024 में हुआ था। बता दें कि पहलगाम हमले में 26 नागरिकों की जान चली गई थी। इसलिए अमेरिका ने टीआरएफ को एक विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) घोषित किया है।

बयान में कहा गया कि यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की आतंकवाद से निपटने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बयान के मुताबिक, विदेश विभाग की ओर से उठाए गए ये कदम ट्रंप प्रशासन की हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों की रक्षा करने, आतंकवाद का मुकाबला करने और पहलगाम हमले के लिए न्याय की मांग को लागू करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इससे साफ होता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका का साथ भारत को मिला है। टीआरएफ को अमेरिका की ओर से आतंकी संगठन मानना, भारत की बड़ी जीत है। अमेरिका के इस कदम से साफ है कि भारत की कोशिश रंग लाई है। ऑपरेशन सिंदूर का डेलिगेशन जब अमेरिका गया था, तब सबूत के साथ भारत ने यूएस समेत पूरी दुनिया को बताया था कि पहलगाम अटैक में कैसे टीआरएफ का हाथ है और उसे पाकिस्तानी हुकूमत और लश्कर का संरक्षण प्राप्त है।

स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल 'निस्तार' नौसेना में शामिल, भारत की समुद्री ताकत बढ़ेगी

-भारत हिंद महासागर क्षेत्र में 'पसंदीदा पनडुब्बी बचाव साथी' के रूप में उभरेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) 'निस्तार' शुक्रवार को भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में शामिल हो गया। विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में जलावतरण के बाद यह जहाज गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में सहायता के लिए पूर्वी नौसेना कमान में शामिल हो गया है। इससे न केवल समुद्र के भीतर भारत की सैन्य ताकत बढ़ेगी, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में इसकी सामरिक समुद्री स्थिति भी पहले से कहीं अधिक मजबूत होगी।

कमीशनिंग समारोह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ की अध्यक्षता में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की उपस्थिति में हुआ। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड में 80 फीसदी स्वदेशी सामग्री और 120 एमएसएमई के सहयोग से निर्मित 'निस्तार' गहरे समुद्र में गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव के लिए सुसज्जित है। इस जहाज पर विशाल डाइविंग कॉम्प्लेक्स एयर एंड सैचुरेशन डाइविंग सिस्टम के साथ मौजूद है। साथ ही पानी के अंदर रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स (आरओवी) और साइड स्कैन सोनार भी लगाया गया है, जो जहाज के परिचालन क्षेत्र को काफी हद तक बढ़ाता है। जलावतरण के बाद इसे गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में सहायता के लिए पूर्वी नौसेना कमान में शामिल किया गया है। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल 'निस्तार' 08 जुलाई को विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। नौसेना में पहले ही 'निस्तार' नाम का एक पनडुब्बी बचाव पोत था, जिसे भारतीय नौसेना ने 1969 में तत्कालीन सोवियत संघ से हासिल करके 1971 में कमीशन किया था। उस जहाज ने 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में अहम भूमिका थी और दो दशकों की सेवा में भारतीय नौसेना के गोताखोरी और पनडुब्बी बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब गोताखोरी सहायता पोत (डीएसवी) 'निस्तार' इसी विरासत को आगे बढ़ाएगा। इस पोत की लंबाई लगभग 120 मीटर की लंबाई है और डायनामिक पोजिशनिंग सिस्टम का उपयोग करके 10 हजार टन से अधिक भार विस्थापन की क्षमता है।

इस पोत को नौसेना के बेड़े में शामिल करने से भारतीय नौसेना की पनडुब्बी बचाव तैयारियों में एक बड़ी क्षमता वृद्धि होगी। इस जहाज में ऑपरेशन थियेटर, गहन चिकित्सा इकाई, आठ बिस्तरों वाला अस्पताल और हाइपरबेरिक चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। पोत में समुद्र के अंदर 60 दिनों से अधिक समय तक टिके रहने की क्षमता, हेलीकॉप्टर के माध्यम से परिचालन करने की सुविधा है। इससे भारत इस क्षेत्र में 'पसंदीदा पनडुब्बी बचाव साथी' के रूप में उभरेगा। दुनिया की कुछ ही नौसेनाओं के पास ऐसी क्षमता है और उनमें से कुछ में यह क्षमता स्वदेशी रूप से विकसित की गई है। आज निस्तार की शुरुआत हमारे समुद्री औद्योगिक आधार की समृद्ध क्षमता और प्रौद्योगिकी का प्रमाण और 'आत्मनिर्भर भारत' का एक और शानदार उदाहरण है।

राजनाथ सिंह के आवास पर बीजेपी नेताओं की बड़ी बैठक, अमित शाह भी रहे मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की एक रणनीतिक बैठक हुई। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू, मनोहर लाल खट्टर, एल. मुरुगन, अर्जुन राम मेघवाल और सीआर पाटिल शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि पार्टी नेतृत्व ने आगामी संसद सत्र से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सोमवार से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। यह बैठक संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग होगी। आधिकारिक सूचना के अनुसार, बैठक सुबह 11:00 बजे शुरू होगी। सरकार ने पहले संसद के मानसून सत्र के कार्यक्रम की घोषणा की थी, जो संभवत: 21 अगस्त तक समाप्त होगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने पहले बताया था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक आयोजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आधिकारिक संसदीय बुलेटिन के अनुसार, सदन 12 अगस्त को स्थगित होकर 18 अगस्त को फिर से बैठक करेगा। केंद्र सरकार मानसून सत्र में मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025 और कराधान विधि (संशोधन) विधेयक 2025 सहित कई विधेयकों को पेश और पारित करने पर विचार कर सकती है।

इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है 'आप', अब क्या अपने खास प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस की मिट्टी पलीद करेंगे केजरीवाल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) शुक्रवार को आधिकारिक रूप से विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) से अलग हो गई। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि आप अब विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं है और सोमवार से शुरू होने वाले संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले होने वाली गठबंधन की बैठक में भी भाग नहीं लेगी। सिंह ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का गठन केवल 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए किया गया था और पार्टी ने उसके बाद के सभी विधानसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़े हैं। आप और कांग्रेस ने 2024 का लोकसभा चुनाव दिल्ली में इंडिया ब्लॉक के तहत मिलकर लड़ा था। हालाँकि, दोनों पार्टियाँ हरियाणा और दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़े।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि आप ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। इंडिया ब्लॉक (2024) लोकसभा चुनावों के लिए था। हमने दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़े। हम बिहार चुनाव अकेले लड़ेंगे। हमने पंजाब और गुजरात के उपचुनाव अकेले लड़े। आप इंडिया का हिस्सा नहीं है। हालाँकि, आप नेता ने कहा कि पार्टी संसद के भीतर विपक्षी दलों के साथ रणनीतिक गठबंधन बनाए रखेगी। उन्होंने कहा कि संसदीय मुद्दों पर, हम तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक जैसी विपक्षी पार्टियों का समर्थन लेते हैं। और वे भी हमारा समर्थन लेते हैं। हमने हमेशा एक मज़बूत और शक्तिशाली विपक्ष की भूमिका निभाई है और आगे भी निभाते रहेंगे। इस बीच, आप नेता ने विपक्षी गुट का नेतृत्व करने में कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाया।

यह बच्चों का खेल नहीं है। क्या लोकसभा चुनाव के बाद उन्होंने कोई बैठक की? क्या इंडिया ब्लॉक के विस्तार की कोई पहल हुई? कभी वे अखिलेश यादव की आलोचना करते हैं, कभी उद्धव ठाकरे की और कभी ममता बनर्जी की। इंडिया ब्लॉक को एकजुट होना चाहिए था। कांग्रेस ब्लॉक की सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन क्या इसने (विपक्षी एकता सुनिश्चित करने में) कोई भूमिका निभाई? संसद का एक महीने तक चलने वाला मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। सत्र से पहले, देश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा के लिए इंडिया ब्लॉक के दलों के नेताओं की एक बैठक शनिवार शाम को ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। यह बैठक लंबे अंतराल के बाद हो रही है, जब से इंडिया ब्लॉक के घटक दलों ने आखिरी बार देश की राजनीतिक स्थिति पर संयुक्त रूप से विचार-विमर्श किया था।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वच्छता एवं नशामुक्ति के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते सामाजिक संगठन

(लेखक–प्रहलाद सबनानी)

भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए।

इस धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव के लिए प्रकृति ने पर्याप्त खाद्य पदार्थ दिए हैं परंतु अति लालच के चलते मानव ने प्रकृति का शोषण करना शुरू कर दिया है। इसमें कोई अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि मानव ने अपनी जिंदगी को आसान बनाने के लिए पर्यावरण का अत्यधिक नुक्सान किया है और इसका परिणाम आज उसे ही भुगतना भी पड़ रहा है। कई देशों में तो भयंकर गर्मी में वहां के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिनसे जान और माल की भारी हानि हो रही है। हम पर्यावरण के सम्बंध में बढ़ चढ़ कर चर्चाएं तो करते हैं परंतु आज हमारे गावों में खेत, प्लाटों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारे खेतों पर शोपिंग काम्प्लेक्स एवं मॉल खड़े हो गए हैं जिससे हरियाली लगातार कम होती जा रही है।

बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल-बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है। कई स्थानों पर अत्यधिक गर्मी के पीछे अपर्याप्त हरियाली, अधिक आबादी, घने बसे घर और इंसानी गतिविधियां जैसे गाडियों और गैजेट से निकलने वाली हीट आदि कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। कार्बन डाईआक्साइड और मेथेन जैसी ग्रीन हाउस गैसों एवं कूड़ा जलाने से भी गर्मी बढ़ती है। राजधानी दिल्ली का उदाहरण हमारे सामने है। जहां चारों दिशाओं में बने डंपिंग यार्डों में आग लगी ही रहती है और लोगों का सांस लेना भी अब दूभर हो रहा है।

भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा।

उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं। भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है। जिसके अंतर्गत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर संघ द्वारा देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। साथ ही, विभिन्न शहरों को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने हेतु भी विशेष अभियान प्रारम्भ किए हैं। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर को स्वच्छ, नशामुक्त एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का बीड़ा उठाया गया है।

इसी संदर्भ में ग्वालियर महानगर में विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर के एक विशेष सत्र में इस बात पर विचार किया गया कि ग्वालियर महानगर को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाया जाना चाहिए। उक्त शिविर के समापन के पश्चात उक्त समस्याओं के हल हेतु विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं की तीन बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में विस्तार से विचार करने के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि कुछ चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन्न मठ, मंदिरों, स्कूलों, संस्थानों आदि में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा जाए ताकि उक्त समस्याओं के हल में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस संदर्भ में चुने गए 60 कार्यकर्ताओं के लिए एक वक्ता कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इन चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन संस्थानों में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया था ताकि उक्त समस्याओं के हल करने हेतु समाज को भी साथ में लेकर कार्य को सम्पन्न किया जा सके। साथ ही, ग्वालियर को प्रदूषण मुक्त सुंदर नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को, ग्वालियर के चुने हुए 29 चौराहों पर मानव श्रृंखलाएं बनाई गई थी, लगभग 8,000 नागरिकों ने इस मानव श्रृंखला में भागीदारी की थी। इसी प्रकार, ग्वालियर को व्यसन मुक्त नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर, दिनांक 12 जनवरी 2025 को एक विशाल मेराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ एवं लगभग 6,000 नागरिकों ने इस मेराथन दौड़ में भाग लिया था।

संघ के ग्वालियर विभाग द्वारा ग्वालियर महानगर में अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने की मुहिम प्रारम्भ की गई। जिसके अंतर्गत ग्वालियर के कई विद्यालयों में वहां के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साथ लेकर स्वयंसेवकों द्वारा नगर में भारी मात्रा में पौधारोपण किया गया। ग्वालियर की पहाड़ियों पर भी इस मानसून के मौसम के दौरान हजारों की संख्या में नए पौधे रोपे गए हैं। गजराराजा स्कूल, केआरजी महाविद्यालय एवं गुप्तेश्वर मंदिर की पहाड़ियों को तो पूर्णतः हरा भरा बना दिया गया है।

नगर के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा नगर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों, धार्मिक संगठनों, एवं नगर के विभिन्न चौराहों पर नागरिकों को शपथ दिलाई जा रही है कि ꕷमैं ग्वालियर नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु, आज से प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करूंगाꕷ। अभी तक एक लाख से अधिक नागरिकों को यह शपथ दिलाई जा चुकी है। कई स्कूल, कई मंदिर एवं कई महाविद्यालय (लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान – एलएनआईपीई सहित) पोलिथिन मुक्त हो चुके हैं। इसी प्रकार, ट्रिपल आईटीएम प्रबंधन के प्रयास से संस्थान के आसपास दुकानदारों द्वारा मादक पदार्थों के बिक्री करना बंद कर दिया गया है। साथ ही, ग्वालियर महानगर में एक लाख से अधिक नागरिक, नशा नहीं करने का संकल्प ले चुके हैं।

विभिन्न मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों में भंडारों का आयोजन किया जाता है। इन भंडारों में अब प्रसादी को दोनों, पत्तलों में परोसा जाने लगा है एवं प्लास्टिक का उपयोग लगभग बंद कर दिया गया है। साथ ही, इन मंदिरों के आसपास प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा डस्टबिन रखवाये गए हैं, ताकि कचरे को यहां वहां न फैला कर इन डस्टबीन में डाला जा सके। इससे, मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों के आसपास के इलाके स्वच्छ रहने लगे हैं। ग्वालियर महानगर के जनप्रतिनिधि विभिन्न मैरिज गार्डन में जाकर इनके मालिकों से लगातार चर्चा कर रहे हैं कि इन मैरिज गार्डन में अमानक पॉलीथिन का उपयोग बिलकुल नहीं होना चाहिए। इसका असर यह हुआ है कि अब मैरिज गार्डन में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक का उपयोग धीरे धीरे कम होता हुआ दिखाई दे रहा है। नागरिकों को कपड़े से बने थैले भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि बाजारों से सामान खरीदते समय इन कपड़े के थैलों का इस्तेमाल किया जा सके और प्लास्टिक के उपयोग को तिलांजलि दी जा सके। प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने के उद्देश्य से गणेशोत्सव के पावन पर्व पर नगर में विभिन्न गणेश पांडालों में बच्चों द्वारा नाटक भी खेले गए। साथ ही, संघ ने अपने स्वयंसेवकों को आग्रह किया है कि संघ द्वारा आयोजित किए जाने वाले किसी भी कार्यक्रम में प्लास्टिक का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया जाना चाहिए। और, अब संघ के कार्यक्रमों में इस बात का ध्यान रखा जाने लगा है कि प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं किया जाय।

ग्वालियर के नागरिकों, विविध संगठनों, सामाजिक संस्थानों एवं प्रशासन द्वारा लगातार किए गए प्रयासों के चलते ग्वालियर महानगर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत राज्य स्तरीय मिनिस्ट्रीयल अवार्ड के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार 17 जुलाई 2025 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार, सिविल अस्पताल, हजीरा, जिला ग्वालियर को स्थानीय नागरिकों को उच्च स्तर की गुणवत्ता पूर्ण संक्रमण रहित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

संपादकीय

भविष्य के हथियार

ऑपरेशन सिंदूर सही मायनों में भारतीय वायु सेना की श्रेष्ठता का एक अद्भुत प्रदर्शन था। निस्संदेह, भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को न केवल कड़ा जवाब दिया बल्कि नये दौर के युद्ध कौशल का सफल परीक्षण भी किया। लेकिन हम सिर्फ इससे आत्मसंतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते। भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दुनिया के मौजूदा परिदृश्य पर बिल्कुल सही कहा है कि आज का युद्ध कल की तकनीक से लड़ा जाना चाहिए, न कि बीते जमाने की हथियार प्रणालियों से। दरअसल, हर पल बदलती युद्ध कौशल की तकनीकों में बात बढ़त लेने की है। यह एक हकीकत है कि जो भी देश ऐसा करने में विफल रहेगा, निश्चित रूप से उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उनका कहना सही ही है कि मानवरहित हवाई वाहन यानी यूएवी आमने-सामने की लड़ाई के विपरीत गैर-संपर्क युद्ध के तेजी से विकसित होते परिदृश्य में एक बदलावकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं। ड्रोन तकनीक के लगातार विकसित होते रहने से यह एक ऐसा घातक हथियार बन चुका है, जो दुश्मन देश के प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठानों जैसे लक्ष्यों को तुरंत पहचानकर उन पर हमला कर सकता है। वास्तव में, भारत ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए गए अधिकांश ड्रोनों को मुख्य रूप से अपनी मजबूत वायु रक्षा प्रणाली के बूते ही बेअसर करने में सक्षम रहा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भविष्य के किसी युद्ध में पाकिस्तान के करीबी सहयोगी उसे बेहतर यूएवी की आपूर्ति करेंगे ताकि पाकिस्तान की स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। इस खतरे के प्रति सतर्क रहते हुए भारत के लिये जरूरी हो जाता है कि हम यूएवी और मानवरहित स्वदेशी प्रणालियों के विकास पर अपना विशेष ध्यान केंद्रित करें। साथ ही इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि ये भारतीय परिस्थितियों और जरूरतों के भी अनुकूल हों। तभी हम आसन्न चुनौतियों का मुकाबला बेहतर ढंग से कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। इसमें दो राय नहीं कि हाल ही के दिनों में यूरोप और एशिया में जारी संघर्ष के दौरान ड्रोन व मानवरहित विमानों ने निर्णायक भूमिका निभायी है। इस दिशा में भारत पूर्वी यूरोप में ड्रोन-प्रधान संघर्ष से सबक ले सकता है। जहां यूक्रेन ने सैन्य शक्ति, तोपखाने और टैंकों के मामले में रूस की बढ़त का मुकाबला करने लिये यूएवी का भरपूर इस्तेमाल किया है। यही वजह है कि यूक्रेन की इस रणनीति ने रूस को अपना ध्यान यूएवी तकनीक पर केंद्रित करने के लिये बाध्य किया है। रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि दोनों देश प्रतिवर्ष चौंका देने वाली लाखों की दर से ड्रोन बना रहे हैं। ड्रोन उत्पादन के क्षेत्र में यूक्रेन के एक महाशक्ति के रूप में उदय ने भारत को ऐसे क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया है, जहां अत्याधुनिक नवाचार ही सब कुछ है, अब चाहे इनका उपयोग किसी भी निश्चित उद्देश्य के लिये किया जाए। मसलन स्ट्राइक ऑपरेशन की निगरानी के लिये तथा रडार से छिपकर ये उड़ने वाली मशीनों को सुरक्षित बनाने के लिये। भारत के लिये यह सुनिश्चित करना एक चुनौती है कि उसके ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन तकनीक से बेहतर सिद्ध हों। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में यूएवी परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में निर्णायक साबित होगा।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

(लेखक– डॉ. मनसुख मांडविया)

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है।

लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है। यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (ड्ढद्बस्रू) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र (ड्ढत्रष्टह्य) और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर (ह्रष्टड्डष्टह्य) की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (हृष्टक्च) ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं।

भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में स्न्व् क्द्धड्ढह्लड्ढ ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19 से 20 जुलाई तक युवा आध्यात्मिक समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत। वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए।

इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज़ को सरकार और नीति निर्माताओं तक पहुँचा सकेंगे।

इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा स्न्व् क्द्धड्ढह्लड्ढ के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें।

अंत में एक काशी डिक्लेरेशन जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं। उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी। देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला युवा आध्यात्मिक समिट इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा। यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा। साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक ज़िम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा। काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

(केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार)

(चिंतन-मनन)

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है।

संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- 'बोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं।

असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

विचार मंथन

भगवान भोलेनाथका जलाभिषेक, कांवड़ यात्रा, गंगाजल का सनातनी स्वरूप

(लेखक– सनत जैन)

भगवान भोलेनाथ की पूजा और उनका जलाभिषेक कोई भी कर सकता है। भगवान भोलेनाथ की पूजा का कोई सनातनी स्वरूप नहीं है। भोलेनाथ के भक्त जिसमें अघोरी संप्रदाय, भूत, प्रेत, किन्नर मानव सभी अपनी अपनी मान्यता के अनुसार भगवान शिव का अभिषेक एवं पूजा-पाठ करते हैं। अपनी-अपनी मान्यता के अनुसार संकल्प लेते हैं। कांवड़ यात्रा भी उसका एक रूप है। सावन के महीने में भोलेनाथ के भक्त पवित्र नदियों का जल लेकर कई किलोमीटर की भक्ति भाव से यात्रा करते हुए, भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। यह परंपरा सेकडों वर्षो से चली आ रही है। कावड़ यात्रा को लेकर पहिले कोई विवाद नहीं हुआ। भगवान भोलेनाथ की कावड़ यात्रा में वह वर्ग शामिल होता है। जिन्हें आसानी से मंदिरों में प्रवेश नहीं मिलता है। भोलेनाथ के भक्त अपनी आस्था के अनुसार जल, पत्ते, फूल, धतूरा भक्ति भाव से भोलेनाथ को अर्पित कर आस्था प्रकट करते है। भगवान भोलेनाथ के बारे में कहा जाता है, वह एक ऐसे भगवान है, जिनकी पूजा और भक्ति का कोई विधान नहीं है। अघोरी संप्रदाय अपना ज्यादा समय श्मशान में बिताते हैं। उज्जैन के मंदिर में रोजाना शमशान से मानव शव की ताजी भस्म लाकर पुजारी द्वारा भोलेनाथ को भस्म आरती की जाती है। सही मायनो में कहा जाए, भगवान भोलेनाथ की पूजा में सनातन धर्म के विधि विधान नहीं अपनाये जाते हैं। भगवान भोलेनाथ की पूजा कोई भी कर सकता है। ऐसी मान्यता प्रचलित है भगवान भोलेनाथ के भक्तों में सबसे ज्यादा वह लोग होते हैं। जिन्हें पूजा पाठ और विधान का कोई ज्ञान नहीं होता है। कांवड़ यात्रा 2014 के बाद से चर्चाओं में आ गई है। गंगा नदी का जल सभी जाति धर्म के मानवों के साथ-साथ प्रकृति में जितने भी जीव हैं। वह सब गंगाजल के सहारे अपना जीवन जीते हैं। गंगा मैया कोई भेदभाव नहीं करती है। कावड़ यात्री पवित्र घाट के जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करने कई किलोमीटर की यात्रा करते हैं। कावड़ में जल लेकर पैदल चलते हुए शिवलिंग में जल अर्पित करते हैं। भोलेनाथ के भक्तों में खाने-पीने तथा नशा इत्यादि का कोई परहेज नहीं होता है। यात्रा के दौरान गांजा भी पीते हैं, नशा भी करते हैं, मांस-मटन भी खाते हैं। आस्था और भक्ति भाव के साथ करके सेकडों किलोमीटर चलकर पवित्र नदियों जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर संकल्प पूरा करते है। कावड़ यात्री अब राजनीति के शिकार हो गई हैं। काँवड यात्रा में जाने वाले अधिकांश गरीब होते हैं। तीर्थ यात्री के रूप में जिस मार्ग से वह गुजरते है। भोलेनाथ के भक्त उनके खाने-पीने की व्यवस्था के लिए पेयजल, भोजन के लिए लंगर या स्टाल लगाकर, रात्रि में सोने के लिए उनकी व्यवस्था कर देते थे। कावड यात्रियों के खाने-पीने का इंतजाम, रुकने की व्यवस्था का जो कार्य आम नागरिक करते थे। वही कार्य राजनीतिक दल से जुड़े हुए संगठन करने लगे। पिछले 10 सालों में कावड़ यात्रा का जो स्वरूप देखने को मिल रहा है। उसके कारण ही कावड़ यात्रा विवादों में आ गई है। कावड़ यात्रा को धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर बांटा जा रहा है। भोलेनाथ के भक्तों को सनातन भक्त की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। सनातनी उनसे अपेक्षा करते है, कि वह सावन के महीने में मांसाहार, प्याज, लहसुन और अन्य पदार्थों का उपयोग न करें। कावड़ यात्रियों को भोजन की आवश्यकता होती है। मार्ग में उन्हें जो भी भोजन उपलब्ध होता है। वह अपनी सुविधा और मान्यताओं के अनुसार ग्रहण करते थे। पिछले कुछ वर्षों से कुछ धार्मिक संगठनो तथा भाजपा शासित सरकारों द्वारा कावड़ यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था उनके खाने-पीने ठहरने इत्यादि की व्यवस्था की जा रही है। उसके बाद से कावड़ यात्रा राजनीति के रंग में रंग गई है। भगवान भोलेनाथ के भक्तों को सनातनी के रूप में पेश किया जा रहा है। सनातनी पूजा पाठ का अलग विधि विधान है। भगवान भोलेनाथ की पूजा का अलग विधि विधान है। कावड यात्रा को लेकर जिस तरह की धारणा बनाई जा रही है। धार्मिक ध्रुवीकरण और धार्मिक उन्माद पैदा किया जा रहा है। कावड यात्रियों की आस्था को धार्मिक सनातनी स्वरूप देने की कोशिश हो रही है। आगे चलकर हिंदुओं के बीच विघटन करने का कारण बन सकती है। इस बात को समझना होगा, भगवान भोलेनाथ के भक्त भोले होते हैं, उनके भगवान भी भोले हैं। भोले अपनी आस्था और विश्वास को बिना किसी आडंबर के भगवान का अभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट करते हैं। भगवान भोलेनाथ की पूजा अघोर पद्धति से सबसे ज्यादा की जाती है। भोलेनाथ के भक्तों का जो नया सनातनी स्वरूप तैयार किया जा रहा है। आगे चलकर सनातनी परम्परा को परेशानियों का सामना करना होगा। भारत में जो सनातनी मंदिर हैं। सनातनियों की अपनी पूजा पद्धति है। हर मंदिर के अपने अलग-अलग नियम हैं। भोले के भक्त उन नियमों से परिचित नहीं होते हैं। वह भगवान पर अपना अधिकार जताते हैं। सरल सहज ढंग से भोले की पूजा अर्चना और अभिषेक करते हैं, वह शिवलिंग को छूते हैं। राजनीतिक लाभ के लिए जिस तरह से शिव भक्तों को सनातनी स्वरूप में पेश किया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बोनस देने की खबर आते ही दौड़ पड़े पतंजलि फूड्स के शेयर

मुंबई। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर शुक्रवार को कमजोर बाजार के बीच 2 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए और 1,944.90 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। शेयर अब अपने ऑल-टाइम हाई 2,030 रुपये के करीब ट्रेड कर रहा है। कंपनी के बोर्ड ने 17 जुलाई 2025 को हुई बैठक में बोनस शेयर देने की सिफारिश की है। इसके तहत 2:1 के रेश्यो में बोनस दिया जाएगा। इसका मतलब है कि हर 1 शेयर पर 2 नए शेयर फ्री दिए जाएंगे। यह बोनस शेयर उन शेयरहोल्डर्स को मिलेगा, जो रिकॉर्ड डेट पर पात्र होगा। यह प्रस्ताव शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर है और इस कंपनी के रिजर्व से जारी किया जाएगा। पतंजलि फूड्स कई कैटेगरी में मजबूत बाजार स्थिति रखती है। यह भारत की ब्रांडेड कुकिंग ऑयल मार्केट में दूसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी है। पाम ऑयल में यह नंबर 1 है और सोया ऑयल में दूसरा स्थान रखता है। सोया प्रोटीन में पतंजलि 35-40 प्रतिशत मार्केट शेयर है। इससे यह सेगमेंट में बाजार का बादशाह है। यह भारत में बिस्किट और ओरल केयर मार्केट में चौथे नंबर पर है। इसके अलावा, गाय के घी और शहद के प्रोडक्ट्स में भी कंपनी अग्रणी कंपनियों में से एक है। पहले रुचि सोया सिर्फ एडिबल ऑयल के कारोबार में थी, लेकिन अब पतंजलि आयुर्वेद से एफएमसीजी सेगमेंट खरीदकर कंपनी ने कारोबार को कई क्षेत्रों में फैलाया है। इससे मुनाफा बढ़ा है और रिस्क कम हुआ है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वीएफ6 और वीएफ7 की बुकिंग शुरू

नईदिल्ली ।

विनफास्ट ऑटो इंडिया ने भारत में अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वीएफ6 और वीएफ7 की बुकिंग शुरू कर दी। बुकिंग उसी दिन शुरू हुई जब अमेरिकी ईवी कंपनी टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोला। इस साल की शुरुआत में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में विनफास्ट ने इन मॉडलों को शोकेस किया था। ग्राहक रुपए 21,000 की पूरी तरह रिफंडेबल राशि देकर विनफास्ट के शोरूम या आधिकारिक वेबसाइट से बुकिंग कर सकते हैं। अगस्त में तमिलनाडु के थूथुकुडी में बन रही विनफास्ट की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के उद्घाटन के बाद इन गाड़ियों की बिक्री और डिलीवरी शुरू होगी। कंपनी के अनुसार वीएफ6 और वीएफ7 भारतीय सड़कों और कंज्यूमर्स की जरूरतों के मुताबिक डिजाइन किए गए हैं, जो एक बार चार्ज पर शानदार रेंज देंगे और डेली सिटी राइड से लेकर वीकेंड गेटअवे तक के लिए उपयुक्त हैं। वीएफ7 एक प्रीमियम और डायनामिक इलेक्ट्रिक एसयूवी है जिसमें लेवल 2 एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएसएस), बड़ा टचस्क्रीन, पैनोरमिक ग्लास रूफ, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी, वायरलेस चार्जिंग और सिग्नेचर एलईडी लाइटिंग दी गई है। वीएफ6 को फैमिली-फ्रेंडली और स्टाइलिश एसयूवी के तौर पर पेश किया गया है जिसमें लेवल 2 अडास, स्मार्ट इंफोटेनमेंट सिस्टम, कनेक्टेड फीचर्स और पैनोरमिक रूफ जैसी सुविधाएं होंगी। विनफास्ट 27 शहरों में 32 डीलरशिप खोलने जा रही है और इसके लिए 13 डीलर पार्टनर्स से समझौता किया है। बिक्री के साथ-साथ कंपनी ने रोडग्रिड, मायटीवीएस और ग्लोबल एश्योर के साथ पार्टनरशिप की है ताकि देशभर में भरोसेमंद चार्जिंग और आफ्टर-सेल्स सर्विस नेटवर्क विकसित किया जा सके।

रिलायंस रिटेल लि ने खरीदे केल्विनेटर ब्रांड, कई कंपनियां टेंशन में

मुंबई। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस रिटेल लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि उन्होंने स्विडिश मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ईलेक्ट्रोलक्स एबी से केल्विनेटर ब्रांड खरीद लिया है। केल्विनेटर होम एप्लाइंसेस प्रोडक्ट बनाती है। रिलायंस रिटेल के पास 2019 में मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स थे। यह नया टेकओवर रिलायंस रिटेल की कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में मौजूदगी को और मजबूत करेगा। कंपनी रिलायंस डिजिटल बैनर के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स का संचालन कर रही है।

बता दें रिलायंस रिटेल के इस कदम से ड्यूरेबल मार्केट के मौजूदा प्लेयर्स एलजी समेत अन्य कंपनियों को अब एक मजबूत प्रतिद्वंदी का सामना करना पड़ेगा। इंलेक्ट्रोलक्स ग्रुप ने भारतीय मार्केट में 1960 में एंट्री की थी। कंपनी 1970 से 1980 के बीच एक बड़ा ग्राहकों का आधार तैयार कर लिया था। उस समय इस कंपनी की टैगलाइन ÷द कूलेस्ट वन÷ हुआ करती थी। 1995 में वर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड ने केल्विनेटर इंडिया लिमिटेड का अधिग्रहण कर लिया था। इस अधिग्रहण के बाद कंपनी रेफ्रीजरेटर मार्केट में एंट्री की थी।

2019 में केल्विनेटर ने रिलायंस रिटेल के साथ डील साइन करने के बाद फिर से इंडियन मार्केट में एंट्री की थी। मौजूदा समय केल्विनेटर ब्रांड के तहत रेफ्रीजरेटर्स, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर्स आदि की बिक्री करती है। कंपनी रिलायंस डिजिटल स्टोर नेटवर्क और अन्य रिटेलर्स की मदद से यह सामान बेच रही है। बता दें रिलायंस डिजिटल मौजूदा समय में देश के अंदर 400 स्टोर्स चला रही है।

देश के जीडीपी का यह 0.60 फीसदी के बराबर है। उम्मीद की जा रही है यह 11 फीसदी के सीएजीआर से ग्रोथ करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक 2029 तक देश के कंज्यूमर ड्यूरेबल मार्केट का साइज 3 ट्रिलियन डॉलर के बराबर होगा।

इंडियन होटल्स के शेयर में 2 फीसदी की बढ़ोत्तरी.....ब्रोकरेज हाउसेस ने निवेश जारी रखने को कहा

मुंबई।

इंडियन होटल्स के शेयर शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 2 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में यह तेजी अप्रैल-जून तिमाही नतीजों के बाद आई है। टाटा समूह की हॉस्पिटैलिटी कंपनी और ताज होटल्स की मूल कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) का मुनाफा जून तिमाही में 19 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 296 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, लाभ पर भूराजनीतिक तनाव का असर पड़ा। ब्रोकरेज हाउसेस ने इंडियन होटल्स पर अपनी निवेश रणनीति जारी रखी है। ब्रोकरेज हाउसेस ने इंडियंस होटल्स पर अपनी 'रिड्यूस रेटिंग बरकरार रखी है। हालांकि, ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट मूल्य को बढ़ाकर 648 रुपये किया। पहले यह 628 रुपये था। इस तरह, शेयर में 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिल सकती है। इंडियंस होटल्स के शेयर गुरुवार 761 रुपये पर बंद हुए। ब्रोकरेज हाउसेस के अनुसार, इंडियंस होटल्स कंपनी ने अपनी घरेलू पोर्टफोलियो में प्रति उपलब्ध कमरे की आय में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। हालांकि, फ्लाइट में रुकावटें और जियोपॉलिटिकल चिंताओं के कारण कुल प्रदर्शन पर लगभग 2-2.5 प्रतिशत का असर पड़ा। ऑक्यूपेंसी में हल्की गिरावट आई है, जो 90 बेसिस पॉइंट्स कम रही। वहीं, औसत कमरे का किराया (एआरआर) सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़ा है। ब्रोकरेज ने कहा कि कंपनी ने पूरे साल के लिए डबल-डिजिट ग्रोथ का अनुमान दोहराया है और जुलाई की शुरुआत को मजबूत बताया है। हालांकि, नुवामा ने यह भी नोट किया कि कंपनी ने मुनाफे के मार्जिन में तुरंत बढ़ोतरी को लेकर कोई खास उम्मीद नहीं जताई। हाल के कुछ क्वार्टर्स में यह एक अहम पॉइंट रहा था।

रुपया गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 86.14 रुपये पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ 98.45 पर आ गया। वहीं गत दिवस रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती एवं विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त को रोक दिया।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 501 , निफ्टी 143 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 501 अंकों नीचे आकर 81,757.73 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 143 अंक टूटकर 24,968.40 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर विप्रो, टाटा स्टील, ओएनजीसी, इंडसइंड बैंक और इंफोसिस के सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एक्सिस बैंक, श्रीराम फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एचडीएफसी लाइफ के शेयर गिरावट पर बंद हुए। कारोबार के दौरान बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.5-0.5 फीसदी नीचे रहा। धातु को छोड़कर आज सभी प्रमुख क्षेत्रों में गिरावट रही। वित्तीय क्षेत्र में सबसे ज्यादा गिरावट आई। एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नीचे गिरे। निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स में भारी गिरावट आई। इसके अलावा वाहन , उपभोक्ता सामान , दवा और वित्तीय सेवा क्षेत्र में गिरावट रही।

बाजार में इस गिरावट के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली के साथ ही अमेरिकी फेड के अगले कदम को लेकर जारी संशय और तेल की बढ़ती कीमतों को भी माना जा रहा है। इससे पहले आज सुबह भी बाजार गिरावट पर खुला। आज सुबह कारोबार शुरु होने पर तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242 अंक नीचे आकर 82,014 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 64 अंक फिसलकर 25,044 पर पहुंच गया। सबसे अधिक गिरावट बैंकिंग शेयरों में रही। सुबह निफ्टी बैंक 323 अंक तकरीबन 0.57 फीसदी नीचे आकर 56,490 पर था। लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट कारोबार के दौरान दर्ज किया गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 68 अंक की हल्की गिरावट के साथ 59,450 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 21 अंक की कमजोरी के साथ 19,095 पर था। आज सुबह प्रमुख एशियाई बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और जकार्ता में सबसे ज्यादा बढ़त रही। जबकि टोक्यो और सियोल में गिरावट दर्ज की गई। वहीं निवेशकों की सकारात्मक धारणा के कारण गुरुवार को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही। इस दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) 17 जुलाई को लगातार दूसरे सत्र में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने 3,694 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

टीआरएफ को अब आर्थिक मदद या संसाधन नहीं मिल सकेगी, आतंकी संगठन घोषित

वाशिंगटन।

अमेरिका ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया है। टीआरएफ ने पहलगाम में हुए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। बाद में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर उसने इससे इनकार कर दिया था। भारत ने अपने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पूरी दुनिया में भेजे थे, जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका को बताया। अब इसे एफटीओ में डालना भारत की बड़ी कामयाबी है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इस फैसले की घोषणा की। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि यह कदम आतंकवाद के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की कड़ी प्रतिबद्धता को दिखाता है। पहलगाम हमला 2008 के मुंबई हमलों के बाद भारत में सबसे घातक हमला था। टीआरएफ को एफटीओ घोषित करना ट्रम्प की उस मांग को पूरा करता है, जिसमें उन्होंने इस हमले के लिए न्याय की बात कही थी।

टीआरएफ को अब अमेरिका में कोई आर्थिक मदद या संसाधन नहीं मिलेंगे। इनके ऊपर आर्थिक प्रतिबंध लगेंगे। उनसे जुड़ी संपत्ति को अमेरिका में फ्रीज किया जाएगा। इससे उनके हथियार, ट्रेनिंग और भर्ती जैसे कामों को झटका लगेगा। टीआरएफ के सदस्यों और समर्थकों का अमेरिका जाना बैन हो जाएगा। अमेरिकी व्यक्ति और संस्थाए नामित संगठन को किसी भी प्रकार की सहायता नहीं दे सकेंगी।

संगठन को हथियारों, रक्षा उपकरणों और दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं की बिक्री पर रोक लगेगी। यह कदम भारत को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स जैसे वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान के खिलाफ अपनी बात को और मजबूती से रखने का मौका देगा। टीआरएफ का लश्कर-ए-तैयबा से रिश्ता उजागर होने से उसकी मुश्किलें बढ़ेंगी।

भारतीय बाजार में मोटरसाइकिल रैंजर प्रो और रैंजर प्रो प्लस लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में कोमाकी इलेक्ट्रिक कंपनी ने अपनी नई क्रूज़र स्टाइल इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रैंजर प्रो और रैंजर प्रो प्लस को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इन बाइक्स को उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है, जो प्रैक्टिकल उपयोग के साथ क्रूज़र लुक वाली इलेक्ट्रिक बाइक की तलाश में हैं। रैंजर प्रो की कीमत रुपए 1,29,999 और प्रो प्लस की कीमत रुपए 1,39,999 रखी गई है। दोनों मॉडलों की कीमत में रुपए 12,500 की एक्सेसरीज भी शामिल हैं। दोनों मॉडलों में 4.2केडब्ल्यू का एलआईपीओ4 बैटरी पैक दिया गया है। एक बार फुल चार्ज पर रैंजर प्रो 160 से 220 किलोमीटर और रैंजर प्रो प्लस 180 से 240 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है। इसमें 5केडब्ल्यू का हाई-टॉर्क मोटर है, जो बाइक को महज़ 5 सेकंड में अधिकतम गति तक पहुंचा सकता है। यह खास तौर पर हाईवे क्रूज़ और शहरी सड़कों दोनों के लिए उपयुक्त है। सेफ्टी और कम्फर्ट को ध्यान में रखते हुए बाइक्स में टेलीस्कोपिक सस्पेंशन, डुअल डिस्क ब्रेक, बैकरेस्ट वाली आरामदायक सीट और रियर टेल लैंप गार्ड जैसे फीचर्स दिए गए हैं। साथ ही इनमें फुल-कलर डिजिटल डैशबोर्ड, क्रूज कंट्रोल, रिवर्स असिस्ट, ब्लूटूथ साउंड सिस्टम और मोबाइल चार्जिंग यूनिट जैसे आधुनिक फीचर्स भी मिलते हैं।

एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर से आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली।

2025 में दुनिया भर में आईटी खर्च 5.43 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, जो 2024 की तुलना में 7.9 फीसदी से ज्यादा है। इसकी वजह एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा फोकस है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य के कारण कारोबार में मंदी के बावजूद एआई केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च आईटी क्षेत्र में खर्च को बढ़ावा देगा। गार्टनर के विशिष्ट उपाध्यक्ष विश्लेषक जॉन-डेविड लवलॉक ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि के कारण शुद्ध-नए खर्च पर व्यावसायिक विराम है, लेकिन एआई और जनरेटिव एआई (जेनएआई) डिजिटलीकरण पहलों के कारण यह प्रभाव कम हो रहा है।

अनिश्चितता के कारण 2025 में सॉफ्टवेयर और सेवाओं पर खर्च की वृद्धि धीमी होने की उम्मीद जताई जा रही है, लेकिन डेटा सेंटर सिस्टम जैसे एआई से संबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च में वृद्धि जारी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जेनएआई के कारण डेटा केंद्रों में तेजी देखी जा रही है और एआई अनुकूलित सर्वरों पर खर्च जो 2021 में करीब न के बराबर था, 2027 तक पारंपरिक सर्वरों की तुलना में तीन गुना बढ़ने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिस्पर्धात्मकता एक प्रमुख कारण है, जिसके कारण कंपनियां इस बिगड़ते परिवेश में टेक्नोलॉजी और व्यावसायिक परिवर्तन में निवेश करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि 2025 की दूसरी तिमाही की शुरुआत से ही एक अनिश्चितता विराम शुरू हो गया है, जिसमें आईटी समेत कई विभागों में नए इनिशिएटिव का रणनीतिक निलंबन शामिल है। यह विराम बढ़ती अनिश्चितता और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके जवाब में, वैश्विक कॉर्पोरेट क्षेत्र ज्यादा सावधानी बरत रहा है, क्योंकि संगठन इन बहुआयामी चुनौतियों के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि 61 फीसदी कंपनियों ने 2025 की शुरुआत पिछले साल की इस अवधि की तुलना में बेहतर स्थिति में की है।

पिनकोड ने 1,000 से अधिक स्थानीय ऑफलाइन स्टोर्स को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया

बेंगलुरु ।

फोनपे के हाइपरलोकल क्रिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म, पिनकोड ने बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली एनसीआर, हैदराबाद, मुंबई और वाराणसी में 1,000 से अधिक स्थानीय ऑफलाइन स्टोर्स को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया है। पिनकोड सीमित पहुंच, डिलीवरी सर्विस न होना और मूल्य निर्धारण दबाव सहित महत्वपूर्ण समस्याओं से निपटने के लिए ऑफलाइन खुदरा विक्रेताओं के साथ मिलकर काम करता है।

डेटा-समर्थित आंकड़ों के माध्यम से, पिनकोड रिटेलर्स को रियल टाइम कस्टमर डिमांड के आधार पर अपने उत्पाद चयन को अनुकूलित करने में मदद करता है, जिससे तेज गति और बेहतर मार्जिन सुनिश्चित होता है।

यह पेशकश स्थानीय दुकानों को न केवल ऑनलाइन लाने में मदद करती है, बल्कि उनके मुख्य ऑफलाइन परिचालन को भी मजबूत करता है, जिससे टिकाऊ विकास को बढ़ावा मिलता है और उन्हें बड़े ऑनलाइन खिलाड़ियों के खिलाफ प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने के लिए सशक्त बनाती है।

पिनकोड के सीईओ ने कहा, पिनकोड सिर्फ स्टोर्स का डिजिटलीकरण नहीं कर रहा है। हम भविष्य के लिए तैयार कारोबार का निर्माण कर रहे हैं। हमारा मिशन हर ऑफलाइन विक्रेता के लिए एक ग्रोथ पार्टनर बनना है। हम सिर्फ स्टोर्स को ऑनलाइन सूचीबद्ध करने से आगे बढ़कर, सफलता के लिए एक संपूर्ण इकोसिस्टम प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा, इस वादे को पूरा करने के लिए हमने अपना स्मार्ट स्टोर प्रोग्राम विकसित किया है, जो हमारे ऑफलाइन रिटेल पार्टनर्स को तकनीक, संचालन संबंधी जानकारी, ग्राहक पहुंच और लॉजिस्टिक्स से लैस करता है। हम ऑफलाइन रिटेलर्स को उनके ग्राहकों के दरवाजे तक लाने के लिए सशक्त बना रहे हैं, उनकी अपेक्षा के अनुरूप गति और चयन प्रदान करते हुए, साथ ही इन स्टोर्स द्वारा दशकों से बनाए गए अमूल्य विश्वास को बनाए रखते हुए।

एसयूवी जिम्नी अगस्त में नए फेसलिफ्ट वर्जन में होगी लॉन्च

नईदिल्ली ।

अगस्त 2025 में अपनी लोकप्रिय एसयूवी जिम्नी को सुजुकी नए फेसलिफ्ट वर्जन में लॉन्च करेगी।

इसकी डिजाइन में छोटे-मोटे कॉस्मेटिक बदलाव किए जा सकते हैं, लेकिन इसका मूल आकर्षण बरकरार रहेगा। यह नई जिम्नी अपने क्लासिक रेट्रो और बॉक्सी डिजाइन के लिए जानी जाती है, और इस बार भी यही इसकी पहचान बनी रहेगी। यह एसयूवी एक कॉम्पैक्ट, हल्की और मजबूत ऑफ-रोडर जो शहरी और बीहड़ दोनों तरह के रास्तों के लिए मुफीद है। सबसे बड़ा बदलाव इसकी सेफ्टी फीचर्स में देखने को मिलेगा।

नई जिम्नी में सुजुकी सेफटी सपोर्ट सिस्टम जोड़ा जाएगा जिसमें डुअल कैमरा बेस्ड एडीएसएस, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, एडॉप्टिव क्रूज कंट्रोल (ऑटोमैटिक वेरिएंट्स में), रिवर्स ब्रेकिंग सपोर्ट और रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट जैसे एडवांस फीचर्स शामिल होंगे। ये सुधार इसे ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और यूके जैसे सख्त सेफ्टी नॉर्म्स वाले बाजारों में भी बेचने योग्य बनाएंगे।

इंजन विकल्प को लेकर भी चर्चाएं हैं। अब तक जिम्नी पेट्रोल इंजन में ही उपलब्ध थी, लेकिन यूरोपीय बाजारों के कड़े एमिशन नॉर्म्स के कारण हाइब्रिड इंजन की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं। हालांकि अगस्त 2025 में आने वाले फेसलिफ्ट में हाइब्रिड इंजन की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जिम्नी का नया अवतार तीन वेरिएंट्स में पेश होगा -जापान स्पेस 3-डोर जिम्नी (0.6ली टर्बो पेट्रोल), ग्लोबल-स्पेस जिम्नी सियेरा 3-डोर (1.5ली नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल) और इंडिया मेड जिम्नी नोमेड 5-डोर।

ईपीएफओ की बैठक में कर्मचारियों का प्रमोशन और खाली पदों पर हो सकता है निर्णय

नई दिल्ली। भविष्य में कर्मचारियों की जरूरत का अनुमान लगाने, कर्मचारियों की करियर संबंधी आकांक्षाओं के साथ तालमेल करने के लिए कैडर के पुनर्गठन और अपनी सेवाओं की डिलिवरी बेहतर करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की कैडर पुनर्गठन (सीआर) समिति शुक्रवार को अपने सभी एसोसिएशनों, फेडरेशनों और कर्मचारी यूनियनों के साथ बैठक कर रही है।

दो दिन तक चलने वाली बैठक के बाद सेवानिवृत्ति कोष संगठन में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और इसमें काम कर रहे कर्मचारियों को प्रमोशन देने का फैसला लिया जा सकता है। इस समय ईपीएफओ के 21 जोनल कार्यालय, 138 रीजनल कार्यालय, 114 जिला कार्यालय और पांच विशेष राज्य कार्यालय हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ईपीएफओ में इस समय ग्रुप-ए, बी और सी में 24 हजार के करीब पद हैं, जिनमें से 9 हजार पद खाली हैं।

मीडिया रिपोर्ट में कर्मचारी संगठन के एक सदस्य ने बताया कि ईपीएफओ में कैडर की समीक्षा नियमित रूप से नहीं होती, जिससे सभी श्रेणी के कर्मचारियों में स्थिरता की स्थिति बनी है। दरअसल डीओपीटी और कैबिनेट सचिवालय के निर्देश के मुताबिक हर पांच साल पर कैडर की समीक्षा की जानी चाहिए, जिससे विसंगतियां दूर हो सकें। इसके अलावा पिछले एक दशक में काम का बोझ कई गुना बढ़ गया है, जिसके लिए कर्मचारियों की संख्या बढ़ाए जाने की जरूरत है। कैडर पुनर्गठन की पिछली कवायद को सीबीटी ने जुलाई 2016 में मंजूरी दी थी, जिसमें ग्रुप-ए के पदों की संख्या 859 से बढ़ाकर 1,039 की गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैनचेस्टर में खूब बोलता है जो रूट का बल्ला, बड़े रिकॉर्ड पर नजरें, पोंटिंग-द्रविड़ से निकलेंगे आगे

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट कुछ दिग्गजों को पछाड़ने की कोशिश करेंगे क्योंकि सचिन तेंदुलकर के सर्वकालिक टेस्ट रिकॉर्ड की राह थोड़ी आसान हो गई है। मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान रूट को ऑस्ट्रेलियाई महान रिकी पोंटिंग को पछाड़ने और तेंदुलकर के बाद सफेद टेस्ट में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए 120 रन और चाहिए।

इंग्लैंड के पक्ष में 2-1 से सीरीज होने और लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में शतक लगाकर पहले दो टेस्ट में मिले-जुले प्रदर्शन की भरपाई करने के साथ यह अनुभवी खिलाड़ी इंग्लैंड के लिए सर्वश्रेष्ठ रन-मशीन बने रहने का लक्ष्य रखेगा। अब तक तीन टेस्ट मैचों में रूट ने 50.60 की औसत से 253 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वह अब तक आठवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जो इस दशक में उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए थोड़ा निराशाजनक है।

रूट का मैनचेस्टर में शानदार रिकॉर्ड है, जहां उन्होंने 11 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में 65.20 की औसत से 978 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254 है। यह स्टाइलिश बल्लेबाज वर्तमान में टेस्ट मैचों में पांचवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं जिन्होंने 156 टेस्ट मैचों की 285 पारियों में 50.80 की औसत से 13,259 रन बनाए हैं, जिसमें 37 शतक और 66 अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है।

सिर्फ 30 रन और बनाकर रूट चौथे स्थान पर पहुंच जाएंगे और भारत के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ (164 टेस्ट मैचों में 13,288 रन) को पीछे छोड़ देंगे जबकि 120 रन और बनाकर वह दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस (166 टेस्ट मैचों में 13,289 रन) और ऑस्ट्रेलिया के पोंटिंग (168 मैचों में 13,378 रन) को पछाड़कर अब तक के दूसरे सबसे ज़्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। तेंदुलकर टेस्ट मैचों में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 53.78 की औसत से 15,921 रन बनाए हैं जिसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 248* है।

प्रतिका रावल पर लगा जुर्माना, इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में ये हरकत पड़ी महंगी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

भारतीय सलामी बल्लेबाज को थोड़े समय के अंतराल में हुई दो अलग-अलग घटनाओं के लिए दंडित किया गया है। 18वें ओवर में, सिंगल लेते समय उन्होंने गेंदबाज लॉरेन फाइलर के साथ शारीरिक संपर्क बनाया, जिससे बचा जा सकता था। अगले ओवर में आउट होने के बाद ड्रेसिंग रूम लौटते समय उन्होंने गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन के साथ भी ऐसा ही शारीरिक संपर्क बनाया, जिससे बचा जा सकता था।

इसके अलावा रावल के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। इस बीच, इंग्लैंड की टीम पर धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया क्योंकि निर्धारित समय सीमा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने लक्ष्य से एक ओवर कम फेंका। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में अपनी टीम द्वारा कम फेंके गए प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। रावल और इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने मैच रेफरी सारा बार्टलेट द्वारा लगाए गए अपने-अपने दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। श्रृंखला का पहला मैच एक कड़ा मुकाबला था, जिसमें भारत ने जीत सुनिश्चित करने के लिए अपना धैर्य बनाए रखा। इंग्लैंड ने सोफिया डंकले के 83 रनों और एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स के धैर्यपूर्ण अर्धशतक की बदौलत 258/6 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। भारत 124/4 के स्कोर पर संकट में था, लेकिन दीप्ति शर्मा (नाबाद 62) की धैर्यपूर्ण पारी जिन्हें जेमिमा रोड्रिग्स (48), ऋचा घोष (10) और अमनजोत कौर (नाबाद 20) का अच्छा सहयोग मिला, ने मेहमान टीम को कड़ी मेहनत से जीत दिला दी।

भारत बनाम इंग्लैंड मैच के दौरान जल्दी खराब हो रही ड्यूक्स गेंदें, शिकायतों के बाद जांच का फैसला

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट श्रृंखला के दौरान आलोचना का सामना कर रहे 'ड्यूक्स' गेंद की निर्माता कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह गेंद के जल्दी 'नरम (खराब)' होने की गहन समीक्षा करेंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की आलोचना के बाद इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) इस्तेमाल की गई ज्यादा से ज्यादा गेंदों को इस सप्ताह के आखिर तक ड्यूक्स गेंद बनाने वाली कंपनी को लौटा देगा।

ड्यूक्स का निर्माण करने वाली 'ब्रिटिश क्रिकेट बॉल्स लिमिटेड' के मालिक दिलीप जाजोदिया ने कहा, 'हम इन (इस्तेमाल हुई) गेंदों को ले जाएंगे, निरीक्षण करेंगे और फिर इसके निर्माण से जुड़े लोगों से बातचीत करेंगे। हम इस मामले में जो भी जरूरी होगा वह कदम उठाएंगे।' उन्होंने कहा, 'समीक्षा में अगर हमें लगेगा कि कुछ बदलाव करने की जरूरत है, तो हम करेंगे।' पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला के दौरान मैदानी अंपायरों को नियमित रूप से गेंदों को बदलना पड़ा क्योंकि वे जल्दी नरम हो जा रही थीं। गेंद लगभग 30 ओवर के इस्तेमाल के बाद ही खराब हो जा रही थी। इस पूरी प्रक्रिया के कारण मैचों के दौरान विलंब भी हुआ। टेस्ट श्रृंखला के लिए इस्तेमाल होने वाली गेंद का निर्णय मेजबान बोर्ड करता है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का उपयोग किया जाता है तो वहीं भारत में टेस्ट मैच एसजी गेंद से खेले जाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा का उपयोग होता है। ड्यूक्स गेंद का उत्पादन 1760 से हो रहा है लेकिन हाल के वर्षों में टेस्ट और काउंटी क्रिकेट में उसे आलोचना का सामना करना पड़ा है। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन गिल उस गेंद से नाखुश थे जो उन्हें अंपायरों द्वारा दी गई थी। इस दूसरी नई गेंद को मैच के दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में बदलना पड़ा था। जसप्रीत बुमराह ने मूल गेंद से कम ओवरों में तीन विकेट लिए थे लेकिन गेंद में बदलाव के बाद भारतीय गेंदबाज पहले सत्र के बाकी समय में एक भी विकेट नहीं ले पाए। इंग्लैंड पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे है।

लॉर्ड्स टेस्ट पर बोले पूर्व भारतीय क्रिकेटर, जडेजा की थोड़ी और आक्रामकता जीत पक्की कर सकती थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन रवींद्र जडेजा की दमदार पारी की तारीफ की है, लेकिन साथ ही संकेत दिया कि अंतिम क्षणों में इस सीनियर ऑलराउंडर का थोड़ा और आक्रामक रुख मैच को भारत के पक्ष में कर सकता था। 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के शीर्ष और मध्य क्रम ने पिच पर असमान उछाल के खिलाफ बहुत कम या बिल्कुल भी प्रतिरोध नहीं दिखाया और जडेजा के लिए बहुत बड़ी चुनौती खड़ी कर दी, क्योंकि एक समय टीम 82/7 पर लड़खड़ा रही थी। दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर ने इसके बाद संघर्ष जारी रखा और 181 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाए, लेकिन यह भारत के लिए पर्याप्त नहीं था और मेजबान टीम ने 22 रनों से जीत दर्ज की। कैफ का मानना है कि जब समीकरण पहुंच में था, तब थोड़ी और तेजी न लाकर सीनियर ऑलराउंडर ने मौका गंवा दिया। उन्होंने कहा, 'जडेजा ने शानदार पारी खेली - पूरा श्रेय उन्हें जाता है। लेकिन शायद अगर वह 10 प्रतिशत और आक्रामक खेलते, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। यह पांचवें दिन की पिच थी, गेंद रिवर्स हो रही थी, उछाल असमान था, और परिस्थितियां कठिन थीं। जब सिराज बल्लेबाजी करने आए तो उन्होंने केवल तीन गेंदों का सामना किया। उस समय आपको स्ट्राइक मैनेज करना होता है, ध्यान रखें कि आप बुमराह या सिराज जैसे पुछल्ले बल्लेबाजों को कितनी गेंदें खेलने दे रहे हैं।' कैफ ने कहा, 'जडेजा ने 90 प्रतिशत काम कर दिया था। बस 10 प्रतिशत और - कुछ सोचे-समझे जोखिम - और शायद लक्ष्य का पीछा पूरा हो जाता। लेकिन बाहर से कहना आसान है। उस पल के दबाव को केवल बल्लेबाज ही जानता है। फिर भी, यह एक यादगार पारी थी।' पूर्व क्रिकेटर ने अब तक श्रृंखला में भारत के समग्र बल्लेबाजी प्रदर्शन पर विचार करते हुए कहा कि बल्लेबाजी इकाई ने अपना काम अच्छा किया है और आगे भी ऐसा ही करना चाहिए। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'मेरा मानना है कि भारतीय बल्लेबाजी इकाई के 80-90 प्रतिशत ने अच्छा प्रदर्शन किया है। गिल फॉर्म में हैं, जायसवाल ने बहुमूल्य योगदान दिया है, पंत आत्मविश्वास से खेल रहे हैं और जडेजा लगातार रन बना रहे हैं। सुंदर ने भी योगदान दिया है। अगर बल्लेबाजी चल रही है, तो उसे बदलने की कोई जरूरत नहीं है। बस वही तरीका दोहराएं। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में शुरू होगा।

गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने जडेजा को सबसे मूल्यवान खिलाड़ी बताया

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित सहयोगी स्टाफ ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जमकर प्रशंस करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में उनके प्रदर्शन को असाधारण बताया है। गंभीर ने कहा कि जडेजा जैसा खिलाड़ी मिलना कठिन है। गंभीर ने जडेजा को टीम का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) करार दिया। जडेजा ने इस सीरीज में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। तीसरे टेस्ट में उन्होंने अंतिम दिन 181 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाये थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब एक वीडियो जारी किया है। इसमें कोच जडेजा की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गंभीर ने इस वीडियो में कहा, ' जडेजा की पारी अविश्वसनीय थी।' भारतीय टीम इस मैच में 193 रन के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पायी। टीम के शीर्ष बल्लेबाज जब पेवेलिन लौट रहे थे। तब जडेजा ने एक छोर संभाले रखा। वहीं इसी वीडियो में सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा, 'जडेजा की बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में उन्होंने जो संयम दिखाया वह वास्तव में प्रशंसनीय है। मैं उन्हें कई साल से खेलते हुए हुए देख रहा हूं। मैंने देखा है कि उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाया है। वह वे एक शानदार बल्लेबाज़ लगते हैं जो आक्रामक साथ ही रक्षात्मक खेल में भी कुशल हैं।' वहीं बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि उनमें दबाव झेलने की क्षमता है। वह आमतौर पर तब अधिक अच्छी बल्लेबाज करते हैं जब टीम को चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में जरूरत होती है। वह टीम के लिए वाकई बहुत मूल्यवान हैं।'

अमेरिकी ओपन 2025 में कई दिग्गज खिलाड़ी उतरेंगे मैदान में

न्यूयार्क। अमेरिकी ओपन 2025 के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और इस प्रतिष्ठित ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में कई नामी सितारे अपनी किस्मत आजमाने को तैयार हैं। गत चैंपियन यानिक सिनर और दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेंका उन 10 पूर्व विजेताओं में शामिल हैं जो इस बार भी खिताब के लिए जोर लगाएंगे। अमेरिकी टेनिस एसोसिएशन ने 24 अगस्त से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए आधिकारिक प्रवेश सूची जारी की है जिसमें कुल 18 पूर्व ग्रैंडस्लैम एकल चैंपियन खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। इस सूची में खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश 14 जुलाई तक की विश्व रैंकिंग के आधार पर दिया गया है। पुरुष खिलाड़ियों के लिए कटऑफ 101वीं रैंकिंग रही जबकि महिला वर्ग में यह सीमा 99वीं रैंकिंग पर थी। इसका मतलब है कि इस साल भी कोर्ट पर दुनिया के कई बड़े सितारे और अनुभवी नाम एक बार फिर अपनी दावेदारी पेश करेंगे और दर्शकों को कड़ी टक्कर वाले मुकाबले देखने को मिलेंगे।

'भारत को एक एक्स्ट्रा गेंदबाज को खिलाना चाहिए', चौथे टेस्ट से पहले रहाणे ने दिया भारतीय टीम को जीत का मंत्र

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। लॉर्ड्स में हार के बाद भारतीय टीम पांच मैचो की सीरीज में 1-2 से पीछे चल रही है। भारतीय टीम के लिए यह टेस्ट मैच अहम साबित होगा जो टेस्ट सीरीज की हार-जीत निश्चित करेगा। इसी बीच भारतीय क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने भारतीय टीम को जीत का मंत्र देते हुए प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने की सलाह दी है। रहाणे ने चौथे टेस्ट में एक अतिरिक्त गेंदबाज को खिलाने की बात कही है और उनका मानना है कि एक अतिरिक्त गेंदबाज से भारतीय टीम को सीरीज बराबर करने में मदद मिलेगी।

अजिंक्य रहाणे ने अपने यूट्यब चैनल पर कहा- 'हम जानते हैं कि चौथे और पांचवें दिन बैटिंग थोड़ी मुश्किल होती है। रन बनाना आसान नहीं होता। हां, इंग्लैंड ने अच्छी गेंदबाजी की, मगर मुझे लगता है कि भारत ने पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने का मौका गंवा दिया। आगे बढ़ते हुए भारत को एक एक्स्ट्रा गेंदबाज को खिलाना चाहिए, क्योंकि आप टेस्ट मैच या सीरीज 20 विकेट लेकर जीतते हो।'रहाणे ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की तारीफ करते हुए लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन उनके द्वारा लंच से पहले ऋषभ पंत को आउट करने को मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया।

कैफ ने भारतीय टीम को बताया वापसी का रास्ता, प्लेइंग 11 पर कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने युवा भारतीय टीम के इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज में वापसी करने और बराबरी करने का समर्थन किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हार के बाद घबराहट लय को बिगाड़ सकती है। विशेष बातचीत में कैफ ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी और आर. अश्विन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद भारत के लचीलेपन की प्रशंसा की और कप्तान शुभमन गिल को एक नेतृत्वकर्ता और एक बल्लेबाज, दोनों के रूप में आगे बढ़ने का श्रेय दिया।

कैफ ने चयन में निरंतरता की भी बात की और टीम प्रबंधन से हार पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया न करने का आग्रह किया। उन्होंने करुण नायर जैसे खिलाड़ियों का समर्थन करने और मौजूदा प्लेइंग 11 पर भरोसा करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, 'आपने चार दिन अच्छा क्रिकेट खेला और पांचवें दिन हार गए, इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपनी योजना बदल दें।'

जसप्रीत बुमराह के अगले महत्वपूर्ण टेस्ट में भी खेलने की संभावना है और बल्लेबाजी क्रम फॉर्म में है, ऐसे में कैफ आशावादी हैं। उन्होंने कहा, '2-2 से बराबरी पर रहने की प्रबल संभावना है, भारत को बस शांत रहना होगा और समझदारी से खेलना होगा।'

श्रृंखला में भारत के प्रदर्शन पर कैफ ने कहा, 'भारत ने पिछले 15 दिनों में से 12-13 दिनों तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बल्ले और गेंद, दोनों से दमदार क्रिकेट खेला। जब यह टीम इंग्लैंड पहुंची, तो ज़्यादातर लोगों ने 0-4 या 1-4 से हार की भविष्यवाणी की थी, लेकिन उन्होंने सभी को चौंका दिया। कोहली, रोहित, शमी और अश्विन के बिना, यह युवा टीम डटी रही और अच्छा प्रदर्शन किया। वे दो करीबी मैच हार गए, हेडिंग्ले भारत की पकड़ में था, और 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम टेस्ट भी। शुभमन गिल ने कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। इंग्लैंड की परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन पर संदेह था, लेकिन उन्होंने बल्ले से जवाब दिया। थोड़ी किस्मत के साथ, भारत तीनों टेस्ट जीत सकता था।'

टीम इंडिया की चयन मानसिकता के सवाल पर कैफ ने कहा, 'एक बात मैंने नोटिस की है कि जब भारत हारता है, तो वे घबरा जाते हैं। जब वे जीतते हैं, तो वे उसी प्लेइंग 11 के साथ बने रहते हैं। पहला टेस्ट हारने के बाद उन्होंने 2-3 बदलाव किए। लेकिन बर्मिंघम में जीत के बाद केवल बुमराह को ही टीम में शामिल किया गया, कोई और बदलाव नहीं। यही चलन रहा है। तीसरा टेस्ट हारने के बाद भी मेरा मानना है कि उन्हें मैनचेस्टर में उसी टीम के साथ उतरना चाहिए। करुण नायर को शुरुआत मिल रही है 30 और 40 के बीच लेकिन वे रन नहीं बना पा रहे हैं। फिर भी, उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए।

मेरे हिसाब से यह इंग्लैंड का वर्षों में सबसे कमजोर गेंदबाजी आक्रमण है जिसमें न ब्रॉड, न एंडरसन, और आर्चर अभी भी वापसी की राह पर हैं। मैंने इंग्लैंड को इतना तेज आक्रमण करते कभी नहीं देखा। और फिर भी हम 193 के लक्ष्य का पीछा नहीं कर सके। यहीं हम मैच हार गए।'

टीम इंडिया की संभावनाओं पर पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'भारत के सीरीज 2-2 से बराबर करने की पूरी संभावना है और मेरा मानना है कि यह संभावना काफी ज़्यादा है। मुझे लगता है कि यह टीम मजबूत वापसी कर सकती है। शुभमन गिल की कप्तानी और टॉस के फैसलों पर कैफ ने कहा, अब तक शुभमन गिल तीन टॉस हार चुके हैं, दो जहां हमने पहले बल्लेबाजी की और एक जहां हमने लक्ष्य का पीछा किया। हम वह मैच हार गए जहां हमने पहले गेंदबाजी की। मुझे नहीं लगता कि फील्डिंग चुनना सही फैसला था। टॉस जीतो और बल्लेबाजी करो जैसे विराट कोहली करते थे। स्विंग या पूर्वानुमान की परवाह किए बिना, बोर्ड पर रन बनाओ।

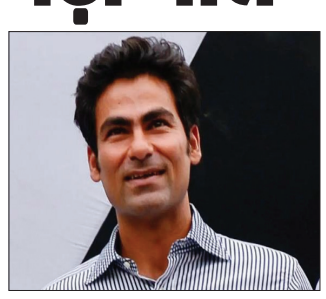

ओलिविया स्मिथ बनी दुनिया की सबसे महंगी महिला फुटबॉलर

लंदन। ओलिविया स्मिथ महिला फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं हैं। आर्सेनल ने कनाडा की इस 20 वर्षीय खिलाड़ी को 10 लाख पाउंड (लगभग 11 करोड़ 57 लाख रुपए) की विश्व रिकॉर्ड ट्रांसफर फीस पर लिवरपूल से अपनी टीम में शामिल किया। महिला फुटबॉल में यह नई धनराशि जनवरी में सैन डिएगो वेव से नाओमी गिर्मा को अपनी टीम से जोड़ने के लिए चेल्सी द्वारा भुगतान की गई 900,000 पाउंड की राशि को पार कर गयी है। आर्सेनल की महिला फुटबॉल निदेशक क्लेयर व्हीटली ने कहा, 'वह खेल की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक हैं और क्लब में आगे बढ़ने की उनमें अपार संभावनाएं हैं।' अनुबंध के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इस फॉरवर्ड ने चार साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलदीप को मैनचेस्टर टेस्ट में खेलते देखना चाहते हैं कपिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि मैनचेस्टर में 23 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में चाइननामैन स्पिनर कुलदीप यादव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में वह कुलदीप को इस मैच में खेलते हुए देखना चाहते हैं। कपिल ने स्वयं कुलदीप को फोन कर ये बात कही है। पांच मैचों की इस सीरीज में अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है, ऐसे में उसके लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम है। भारतीय टीम को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। तीनों मैच के दौरान कुलदीप को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान हैं क्योंकि टीम में शामिल स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा इन मैचों में प्रभावित नहीं कर पाये, केवल बल्लेबाजी के आधार पर इन्हें जगह मिली। ऐसे में कपिल का ये कहना कि मैनचेस्ट टेस्ट में कुलदीप बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, ये बात ध्यान में रखनी चाहिये। अब तक सुंदर ने तीसरे मैच की दूसरी पारी में 4 विकेट लिए किया। वहीं जडेजा ने 6 पारियों में तीन विकेट लिए हैं। हालांकि बल्लेबाजी में जडेजा काफी सफल रहे हैं। कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिलने पर कपिल ने कहा कहा, टीम अच्छा खेल रही है इसलिए भी शायद उन्हें अवसर नहीं मिला। तीसरे टेस्ट में लगा कि वह खेलेंगे पर लेकिन तेज गेंदबाजों ने अच्छा काम किया। उन्होंने साथ ही कहा, इस समय कुलदीप अच्छे फॉर्म में है। ऐसे में उसे जगह नहीं देना नुकसानदेह रहेगा। पिछले कुछ मैचों में गेंदबाज नहीं, बल्कि बल्लेबाज विफल रहे हैं। उन्होंने कहा, आप कुलदीप या जसप्रीत बुमराह से ये उम्मीद नहीं कर सकते कि वह काफी रन बना लेंगे। मैंने हाल ही में कुलदीप से बात की और उसे फिट रहने और अवसर मिलने पर अच्छा प्रदर्शन करने को कहा। हम सभी उसे जगह मिलने की उम्मीद कर सकते हैं हालांकि अंतिम फैसला कोच और कप्तान को करना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कुलदीप वर्तमान समय में देश के सबसे अच्छे और अनुभवी स्पिनर हैं। उन्होंने साथ ही कहा, उसका मनोबल ऊंचा है पर अंदर ही अंदर वह यह भी सोच रहा होगा कि उसे कब अवसर मिलेगा। वह भी तो इंसान ही है। मैनचेस्टर में अवसर मिलन पर वह बड़ी भूमिका निभा सकता है।

'गिल पर इसका सही असर नहीं हुआ', शुभमन के आक्रामक तेवर पर बोले मांजरेकर

लंदन (एजेंसी)। नई दिल्ली ⁼ भारत के इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल का प्रदर्शन अभी तक देखने लायक रहा है। उन्होंने कई बल्लेबाजी रिकॉर्ड तोड़ते हुए टेस्ट कप्तान के रूप में अपनी पहली जीत हासिल की। हालांकि लॉर्ड्स में उनका एक ऐसा पक्ष देखने को मिला जो अक्सर देखने को नहीं मिलता। उन्होंने जैक क्रॉली के सामने आक्रामक तेवर दिखाए और उनकी टीम ने भी उनका अनुसरण किया और इस तरह सीरीज का पहला रोमांचक मोड़ आया।

बेन स्टोक्स ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि इंग्लैंड ने गिल की आक्रामकता के सीधे जवाब में भारत के लिए स्थिति को जितना हो सके उतना असहज बनाने का फैसला किया था। चौथे दिन के आखिरी क्षणों में जब खेल के एक महत्वपूर्ण दौर में बल्लेबाजी करने की उनकी बारी आई, तो गिल ज्यादा देर टिक नहीं पाए। अब जबकि टेस्ट मैचों के बीच ब्रेक है, मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट अगले बुधवार से शुरू हो रहा है और भारत 1-2 से पीछे है, गिल के पास यह तय करने के लिए कुछ समय है कि क्या वह तीसरे दिन दिखाए गए साहस को आगे भी जारी रखना चाहते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने मैच डे कार्यक्रम में भारत के एक पूर्व कप्तान का उदाहरण देते हुए चीजों को सही परिप्रेक्ष्य में रखा। मांजरेकर ने कहा, 'विराट कोहली के साथ बात यह थी कि वह जब ज्यादा जोश में आ जाते थे, तो एक बेहतर बल्लेबाज बन जाते थे। शुभमन गिल के साथ मुझे जो बात निराश कर रही थी, वह यही थी कि मैं सोच रहा था कि गिल किस दिशा में जा रहे हैं? क्योंकि ऐसा लग रहा था कि बल्लेबाज गिल पर इसका सही असर नहीं हुआ।'

मांजरेकर ने कहा, 'वह बहुत ही अनिश्चित लग रहे थे और आप जानते हैं, आजकल हम स्टंप माइक के सामने होते हैं और हम उनकी बातें सुन सकते थे और कुछ निजी हमले भी हुए।' 'गिल के लिए यह एक नया अनुभव हो सकता है क्योंकि आजकल, जैसा कि आप देख सकते हैं, भारतीय खिलाड़ियों के साथ, ज्यादातर विदेशी टीमें दोस्ताना व्यवहार करती हैं। इसलिए यह एक नया क्षेत्र था। और वह अनिश्चित लग रहे थे और इसके लिए तैयार नहीं थे।'

गिल लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैचों में 485 रन बनाकर उतरे थे। उन्होंने चार पारियों में तीन शतक लगाए और उनमें से एक को करियर की सर्वश्रेष्ठ 269 रनों की पारी में बदल दिया। तीसरे टेस्ट में बल्लेबाजी के लिए हालात बाकी सीरीज की तुलना में ज्यादा मुश्किल थे। दूसरी पारी में उन्हें एक सख्त नई गेंद का सामना करना पड़ा। बाकी हर बार, उन्हें एक पुरानी, नरम गेंद के सामने शुरुआत करने का फायदा मिला, जो ज्यादा असर नहीं कर रही थी।

मांजरेकर ने कहा, 'हमने देखा कि उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे यह नतीजा निकला। उन्होंने पूरी सीरीज में बल्लेबाज के तौर पर अपने मैराथन प्रदर्शन के दौरान खूबसूरती से इन गेंदों का सामना किया है। और अचानक से वो उन गेंदों को मिस कर रहे थे। अगली गेंद पर, पगबाधा आउट हो गए। गिल के डिफेंस को भेदना बहुत मुश्किल काम था। उन्होंने शायद ही कोई गेंद मिस की हो। उनका नियंत्रण प्रतिशत शानदार रहा है। और अचानक (दूसरी पारी में) लगभग नौ गेंदों में से उन्होंने चार गेंदें मिस कर दीं। मुझे इसमें कोई शक नहीं कि इसमें कोई कनेक्शन है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शोहरत एक दोधारी तलवार की तरह: ईशा कोप्पिकर

बालीवुड अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर इन दिनों मानसिक स्वास्थ्य की मुखर पक्षधर बनकर सामने आई हैं। फिल्म इंडस्ट्री के उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेकर उन्होंने आत्म-मूल्य, भावनात्मक ईमानदारी और कल्याण पर खुली बातचीत को बढ़ावा देना शुरू किया है। अभिनेत्री ईशा ने बताया कि शोहरत एक दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको तारीफ और पहचान मिलती है, तो दूसरी तरफ लगातार उन उम्मीदों पर खरा उतरने का दबाव रहता है जो हमेशा सच नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि अक्सर आपसे उम्मीद की जाती है कि आप हर हाल में मुस्कुराएं, चाहे भीतर से टूटे हुए क्यों न हों। ईशा ने ईमानदारी से स्वीकार किया कि बहुत समय तक उन्हें यह एहसास ही नहीं था कि ‘मैं ठीक नहीं हूं’ कहना भी एक विकल्प हो सकता है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में ज्यादा लोगों को यह सुनने की जरूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी पूरी तरह इंसानी बात है और इसका मतलब यह नहीं कि आपको सब कुछ चुपचाप सहना ही पड़े। उन्होंने इस पर बात की कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव आपके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करता है, लेकिन इसके बावजूद इस बारे में बहुत कम लोग खुलकर बात करते हैं। ईशा के मुताबिक यह सोच कि भावनात्मक कमजोरी कमजोरी ही है, अब बदलनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि असली ताकत सब कुछ कंट्रोल करने में नहीं, बल्कि खुद के प्रति सच्चे और दयालु बने रहने में है। ईशा ने कहा कि ‘आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं,’ यह एक बेहद सरल सच है जिसे हम अक्सर भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहां सब कुछ फिल्टर और परफेक्शन में लपेटा जाता है। उन्होंने कहा कि वूलनेराबिलिटी यानी अपनी भावनाओं को खुलकर मानना कमजोरी नहीं बल्कि असली साहस है। ईशा कोप्पिकर का यह ईमानदार नजरिया मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल को लेकर बनी धारणा को चुनौती दे रहा है। सोशल मीडिया के दौर में, जहां दिखावे और अवास्तविक उम्मीदों का दबाव बढ़ता जा रहा है, उनका यह संदेश न सिर्फ दिल को छू जाता है बल्कि दूसरों को भी खुद को अपनाने और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करता है। बता दें कि अभिनेत्री ‘क्या कूल हैं हम’, ‘कृष्णा कॉटेज’, ‘एक विवाह ऐसा भी’, ‘शबरी’ और ‘डॉन’ जैसी फिल्मों में अपने यादगार किरदारों के लिए जानी जाती हैं।

विक्रांत के ‘डॉन 3’ से बाहर होने को लेकर अटकलें जारी

बालीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी के ‘डॉन 3’ से बाहर होने को लेकर अटकलें लगाई जा रही है। यह वही प्रोजेक्ट है जो रणवीर सिंह के ‘डॉन’ बनने की वजह से पहले से हाईलाइट में है। खबरों के मुताबिक विक्रांत फिल्म के अहम विलेन रोल से अचानक बाहर हो गए हैं। इस रोल में वह एक शातिर स्कैमस्टर का किरदार निभाने वाले थे, जिसका रणवीर सिंह के ‘डॉन’ से सीधा टकराव होता। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक विक्रांत को स्क्रिप्ट में अपने किरदार की गहराई कम लगी। उन्हें लगा कि यह रोल उनके एक्टिंग स्टैंडर्ड के हिसाब से ‘लेयर्ड’ या चुनौतीपूर्ण नहीं है। इसके अलावा रोल के लिए एक बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी जरूरी था, जिसे लेकर वह असमंजस में थे। इस वजह से उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ने का फैसला किया। फरहान अख्तर अब नए विलेन की तलाश में हैं। पहले ही फिल्म की लीड फीमेल रोल में बदलाव हो चुका है कियारा आडवाणी के प्रेग्नेंट होने की वजह से उनकी जगह कृति सेनन को लिया गया। अब विक्रांत की एग्जिट ने मेकर्स के लिए कास्टिंग और जटिल कर दी है।

फिलहाल खबर है कि इस दमदार विलेन रोल के लिए विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से बात चल रही है। दोनों में वह चार्म और इंटेंसिटी है जो रणवीर सिंह के ‘डॉन’ के मुकाबले एक करिश्माई विलेन के लिए जरूरी मानी जा रही है। हालांकि किसी की ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ‘डॉन 3’ की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होनी है। फरहान अख्तर इसे इंटरनेशनल स्केल पर ले जाने की तैयारी में हैं और इसके लिए एक मजबूत स्टार कास्ट बनाना चाहते हैं। कुल मिलाकर विक्रांत मैसी के लिए यह वक्त चुनौतीपूर्ण कहा जा सकता है एक तरफ उनकी लेटेस्ट फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट रही है, दूसरी तरफ उन्होंने जिस हाई-प्रोफाइल फिल्म से खुद को बाहर किया, वही रोल किसी और स्टार को एक बड़ा ब्रेक दे सकता है। उनके फैन्स भी इस बात को लेकर थोड़े हैरान हैं कि यह फैसला उनके करियर के लिए सही साबित होगा या बड़ी गलती बन जाएगा यह तो वक्त ही बताएगा। विक्रम मैसी की ‘आंखों की गुस्ताखियां’ की बात करें तो यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है जिसमें विक्रांत के अपोजिट शनाया कपूर नजर आईं। शनाया ने इसी फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों को थिएटर तक खींचने में नाकाम रही और बॉक्स ऑफिस पर बेहद कमजोर प्रदर्शन कर रही है। ट्रेड एनालिस्टों का तो कहना है कि फिल्म 2025 की सबसे बड़ी फ्लॉप या ‘डिजास्टर’ साबित होने के कगार पर है। फिल्म के कंटेंट और प्रचार को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। दर्शकों और समीक्षकों को इसकी कहानी और निर्देशन में वह पकड़ नजर नहीं आई जो रोमांटिक-ड्रामा को हिट बना सके।

महिलाओं को लेकर पुरानी सोच अभी भी कायम: फातिमा सना शेख

बालीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर कुछ हद तक पुरानी सोच अभी भी कायम है, मगर पहले जैसा दबाव अब नहीं रह गया है। अभिनेत्री ने हाल ही में समाज में महिलाओं की शादी और रिश्तों को लेकर बदलती सोच पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने माना कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को पहले से कहीं ज्यादा सहजता से स्वीकार करने लगे हैं। फातिमा के मुताबिक पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव बहुत ज्यादा था, लेकिन समय के साथ चीजें बदल रही हैं और रिश्तों की परिभाषा भी बदल गई है। आज के दौर में कई लोग खुद पर या अपने करियर पर ध्यान देना पसंद करते हैं, तो कुछ अकेले रहना ही चुन लेते हैं। उन्होंने कहा कि समाज भी धीरे-धीरे इस बदलाव को अपनाना सीख रहा है। उन्होंने यह भी माना कि रिश्तों का मतलब अब अलग हो गया है और कई लोग अब अकेले रहने में भी खुशी महसूस करते हैं या अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान देते हैं। फातिमा ने यह भी कहा कि उन्हें यह नहीं पता कि यह बदलाव सही है या गलत, लेकिन अब उस पर पहले जैसी सख्ती या पाबंदी नहीं रही। बातचीत के दौरान फातिमा ने अपने पहले प्यार की यादें भी साझा कीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या कोई ऐसा फिल्मी रोमांटिक पल जिया है, तो वह मुस्कुरा कर बोलीं, ‘हां, बिल्कुल।’ उन्होंने बताया कि उनके उस वक्त के पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। चारों तरफ फूल बिखरे थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। हालांकि यह सरप्राइज वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि उनके वहां पहुंचने तक ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। उन्होंने हंसते हुए कहा कि बाद में हमें सब कुछ साफ करना पड़ा। फातिमा ने उस लम्हे को बेहद खास और सच्चे प्यार का एहसास बताया और कहा कि तब वह काफी छोटी थीं और उस समय उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म भी नहीं थे।

अभिनेता रणदीप हुड्डा को हुआ राइटिंग से लगाव, लिख रहे छोटी-छोटी कहानियां

-वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित एक सीरीज पर कर रहे काम

फिल्म मेकर और एक्टर रणदीप हुड्डा की एक्टिंग उनका पहला प्यार है, रणदीप को पिछले कुछ सालों में राइटिंग से गहरा लगाव हो गया है। यह बात खुद रणदीप हुड्डा कह रहे हैं। उन्होंने कि यह उनके लिए किसी भी रचनात्मक प्रक्रिया का सबसे अच्छा हिस्सा है। जब वह अभिनय करते हैं, तो वह दूसरों की लिखी कहानियों का हिस्सा बनते हैं, लेकिन लेखन उन्हें वह कहानियां गढ़ने का मौका देता है, जिन्हें उन्होंने जिया, देखा या कल्पना की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वह वर्तमान में मुंबई के वर्सोवा और आराम नगर पर आधारित छोटी कहानियों की एक सीरीज बना रहे हैं। ये कहानियां हर रविवार को सड़क किनारे बांसुरी बेचने वाले एक व्यक्ति के जीवन, शहर में संघर्षरत अभिनेताओं के सफर, कास्टिंग काउच की कठोर सच्चाइयों और कई अन्य कहानियों को छूती हैं। रणदीप ने कहा कि वर्सोवा और आराम नगर मानवीय महत्वाकांक्षाओं और अस्तित्व के ऐसे खामोश रंगमंच रहे हैं और वह इन कहानियों को जीवंत करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि हर रविवार उन्हें एक बांसुरी वाला उसी कोने पर खड़ा दिखता है, जो ऐसी धुनें बजाता है जो शहर के शोर में अक्सर दब जाती है। उसके पीछे महत्वाकांक्षी अभिनेताओं, रोजमर्रा के संघर्षों, छोटी जीतों और दिल टूटने की दुनिया है। उन्होंने कहा कि इन कहानियों को लिखने से उन्हें उद्देश्य की अनुभूति होती है और उनके आसपास की जिंदगी की परतों पर विचार करने का मौका मिलता है।

बता दें रणदीप ‘मैचबॉक्स’ में नजर आएंगे, जो सैम हार्ग्रेव के निर्देशन में बन रही अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म है। यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉय ब्रांड पर आधारित है और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, रणदीप हुड्डा, दनाई गुरिरा और कोरी स्टोल नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। रणदीप के पास ‘ऑपरेशन खुकरी’ नामक एक महाकाव्य युद्ध ड्रामा भी है। रणदीप ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब ‘ऑपरेशन खुकरी-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड’ के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं। फिल्म ‘ऑपरेशन खुकरी’ 2000 की वास्तविक घटनाओं को पर्दे पर लाएगी, जब पश्चिम अफ्रीका के सिएरा लियोन में विद्रोही बलों ने 233 भारतीय सैनिकों को बंधक बना लिया था।

तमन्ना भाटिया के नए लुक को फैंस ने खूब पसंद किया

हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद खास तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्होंने लोगों का ध्यान खींच लिया और उनके लुक को फैंस ने खूब पसंद किया। इन तस्वीरों में तमन्ना ने एक अनोखा और कंट्रास्ट स्टाइल अपनाया है। उन्होंने काले रंग की चमकीली गाउन के साथ एक सिंपल ग्रे टी-शर्ट पहनकर यह दिखाया कि फैशन में विरोधाभास भी खूबसूरती पैदा कर सकता है। उनके इस लुक में ग्लैमर और कैजुअल अंदाज का ऐसा मेल नजर आया, जो उनके फैशन के प्रति सोच को भी बयां करता है। तमन्ना ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि फैशन उनके लिए केवल नए ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं है, बल्कि खुद को जाहिर करने का जरिया है। उन्होंने कहा कि फैशन में ग्लैमर और आराम, ताकत और नर्मी के बीच संतुलन होना चाहिए। उन्होंने लेयरिंग की ताकत को समझाते हुए लिखा कि एक काला गाउन और ग्रे टी-शर्ट दो अलग-अलग दुनिया से हो सकते हैं, लेकिन उनके लिए ऐसा लगता है जैसे वे मिलने के लिए ही बने हों। तमन्ना ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि विरोधाभास टकराव नहीं है, बल्कि यह वह जगह है जहां मर्दाना और स्त्री स्वभाव में तालमेल बैठता है।

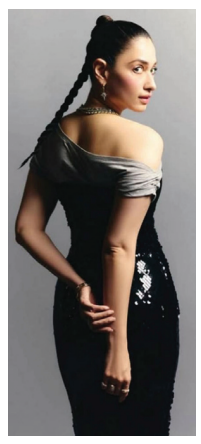

सलमान ने ‘बैटल ऑफ गलवान’ को बताया करियर की कठिन फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने कहा कि एक्शन फिल्म की तैयारी हर गुजरते साल, महीने और दिन के साथ और अधिक चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने अपनी अगली फिल्म ‘बैटल ऑफ गलवान’ को उन फिल्मों में शुमार किया, जिसके लिए उन्हें शारीरिक पहलू पर सबसे ज्यादा मेहनत करनी पड़ रही है। सलमान ‘शूटआउट एट लोखंडवाला’ फेम निर्देशक अपूर्व लाखिया की फिल्म ‘बैटल ऑफ गलवान’ में अपने किरदार की तैयारियों में जीजान से जुटे हुए हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है। सलमान ने ‘एजेंसी’ के साथ बातचीत में कहा, ‘‘यह (एक्शन फिल्म की तैयारी) शारीरिक रूप से बहुत चुनौतीपूर्ण है। हर साल, हर महीने, हर दिन यह और अधिक कठिन होती जा रही है। मुझे अब तैयारी के लिए अधिक समय देना होगा। पहले मैं एक या दो हफ्ते में तैयारी कर लेता था, अब मुझे काफी शारीरिक मेहनत करनी पड़ रही है। इस फिल्म के लिए यह सब जरूरी है।’’ सलमान इस साल दिसंबर में 60 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ‘‘उदाहरण के लिए ‘सिकंदर’ में एक्शन अलग था, किरदार अलग था। लेकिन यह फिल्म (बैटल ऑफ गलवान) शारीरिक पहलू पर अधिक मेहनत करने की मांग करती है। इसके अलावा, लद्दाख में ऊंचे स्थानों पर और ठंडे पानी में शूटिंग करना (एक और चुनौती है)।’’ अभिनेता ने बताया कि परियोजना से जुड़ी टीम इस महीने के अंत में शूटिंग के लिए लद्दाख रवाना होगी। उन्होंने कहा, ‘‘जब मैं फिल्म के लिए अपनी सहमति दे रहा था, तो मुझे लगा कि यह कमाल की है, लेकिन यह एक बहुत ही मुश्किल फिल्म है। मुझे लद्दाख में 20 दिन काम करना है और फिर सात से आठ दिन ठंडे पानी में शूटिंग करनी है। हम इसी महीने शूटिंग शुरू करेंगे।’’ निर्माताओं के मुताबिक, यह फिल्म भारत की सबसे भीषण लड़ाइयों में से एक पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फुट की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों में भारतीय सेना के 20 जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी, जो दशकों में भारत और चीन के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। सलमान ने बताया कि ‘बैटल ऑफ गलवान’ उनकी पिछली कुछ फिल्मों की तरह ईद पर रिलीज नहीं होगी, बल्कि यह अगले साल जनवरी में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उन्होंने पुष्टि की कि 2015 में प्रदर्शित उनकी सुपरहिट फिल्म ‘बजरंगी भाईजान’ के सीक्वल पर काम किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को रिलीज के 10 साल पूरी करने वाली ‘बजरंगी भाईजान’ का जिक्र करते हुए सलमान ने कहा, ‘‘मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई थी। इसका (सीक्वल) विषय और भावनात्मक पक्ष लगभग वही होगा, लेकिन यह एक अलग फिल्म होगी।’’ कबीर खान के निर्देशन में बनी ‘बजरंगी भाईजान’ भगवान हनुमान के एक भक्त के बारे में थी, जो पाकिस्तान की एक मूक लड़की को उसके परिवार से मिलाने के लिए सीमा पार मिशन पर निकलता है। साइकिल और मोटरसाइकिल चलाने के शौकीन सलमान ने इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के दूसरे सीजन के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन से इतर ‘पीटीआई-भाषा’ से बातचीत की। वह आईएसआरएल के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। सलमान ने कहा, ‘‘मैं हमेशा से ही साइकिल चलाने का शौकीन रहा हूं। साइकिल से लेकर मोटरसाइकिल तक, मुझे सब पसंद हैं। हालांकि, अब मुझे साइकिल चलाने का ज्यादा मौका नहीं मिलता।’’ उन्होंने अपने प्रशंसकों को सड़कों पर ‘बाइक रेस’ लगाने के प्रति आगाह किया।

‘सरफिरा’ मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव: राधिका मदान

बालीवुड की फिल्म ‘सरफिरा’ के रीलिज को एक साल पूरे होने पर अभिनेत्री राधिका मदान ने अपनी भूमिका को याद किया और कहा कि यह फिल्म मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। अभिनेत्री राधिका ने कहा कि यह यकीन करना मुश्किल है कि फिल्म को रिलीज हुए एक साल हो गया है, ऐसा लगता है मानो अभी कुछ दिन पहले ही अक्षय और उन्होंने इसकी शूटिंग की हो। उन्होंने माना कि ‘रानी’ का किरदार उनके करियर का सबसे कठिन रोल रहा। फिल्म में राधिका ने अक्षय कुमार की पत्नी का किरदार निभाया था जो एक महाराष्ट्रीयन महिला है। इस रोल के लिए उन्होंने मराठी संस्कृति और बोली को आत्मसात करने में काफी मेहनत की। दिल्ली की रहने वाली राधिका ने बताया कि उन्होंने हर प्रोजेक्ट में अलग-अलग बोलियों को सीखकर खुद को चुनौती दी है, चाहे वह उत्तर प्रदेश की बोली हो, जयपुरी लहजा हो या अब मराठी। मराठी के लिए उन्होंने लोकल लोगों के साथ समय बिताया ताकि उनकी भाषा और संस्कृति को समझकर उसे पर्दे पर ईमानदारी से उतार सकें। राधिका ने कहा कि मुंबई में मराठी बोलने वालों की संख्या काफी ज्यादा है और इसलिए सही उच्चारण और अंदाज सीखना जरूरी था। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला और यह उनके लिए बेहद रोमांचक रहा। इसके अलावा उन्होंने अक्षय कुमार, परेश रावल और निर्माता विक्रम मल्होत्रा जैसे अनुभवी और प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ काम करने को अपने लिए गर्व की बात बताया। राधिका ने यह भी कहा कि अक्षय कुमार के साथ ‘सरफिरा’ में काम करने के बाद अब वह उनके अगले प्रोजेक्ट ‘सूबेदार’ के लिए बेहद उत्साहित हैं। फिल्म ‘सरफिरा’ की बात करें तो इसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगरा ने निर्देशित किया था और इसकी कहानी भारत में तेजी से बढ़ती स्टार्टअप दुनिया और एविएशन सेक्टर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में एक व्यक्ति के सपने को दिखाया गया है जो हवाई यात्रा को आम आदमी की पहुंच में लाना चाहता है और इसके लिए तमाम मुश्किलों का सामना करता है। राधिका मदान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म ‘सूबेदार’ में नजर आएंगी जिसमें वह अनिल कपूर की बेटी की भूमिका निभा रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चेहरे की सर्जरी कराने के बाद भी बेंगलुरु निवासी आरोपी महिला इंदौर में पकड़ी गई

-बैंक से 8 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप

इंदौर (एजेंसी)। एक चौंकाने वाले मामले में, बेंगलुरु के सरकारी बैंक से 8 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाली एक महिला को 19 साल बाद इंदौर से गिरफ्तार किया गया है। महिला ने अपने पति के साथ मिलकर धोखाधड़ी को अंजाम दिया और फरार चल रही थी। सीबीआई के अनुसार, धोखाधड़ी का मामला 2002 से 2005 के बीच का है। महिला और उसके पति, रामानुजन मुथुरामलिंगम शेखर, ने अपनी बनाई कंपनी के माध्यम से बेंगलुरु के एक सरकारी बैंक को 8 करोड़ रुपये का चूना लगाया था। 1 अगस्त 2006 को सीबीआई की बेंगलुरु शाखा ने दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज की। मामला दर्ज होते ही दंपती अपनी पहचान छुपाकर रहने लगे और इंदौर को अपना मुख्य ठिकाना बनाया। पति ने अपना नाम कृष्ण कुमार गुप्ता और पत्नी ने अपना नाम गीता रख लिया था। सीबीआई को जांच में पता चला कि आरोपी महिला के पति रामानुजन की 2008 में मौत हो गई थी। इसके बाद आरोपी महिला ने अपनी पहचान छुपाने के लिए फेस सर्जरी करावकर बेफिक्र होकर रहने लगी। हालांकि, सीबीआई ने इमेज सर्च एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए महिला की फोटो का मिलान कर इंदौर से गिरफ्तार किया। महिला को बेंगलुरु ले जाया गया है, जहां कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह घटना साबित करती है कि अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो, एक न एक दिन वह कानून की पकड़ में आ ही जाता है।

आदिवासी महिलाएं भी संपत्ति मे बराबर की हकदार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की खंडपीठ ने एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। इस फैसले में आदिवासी महिलाओं को पुश्तैनी संपत्ति में पुरुषों के समान अधिकार दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची की खंडपीठ ने आदिवासी समुदायों की महिलाओं को कानूनी बारिश के रूप में पुश्तैनी संपत्ति में बराबर का हकदार बताया है।सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक समानता को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय दिया है। खंडपीठ ने माना है, संविधान के अनुच्छेद 14 तथा 15 का उलघन है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, अनुच्छेद 14 का कानून समानता की गारंटी देता है। वहीं अनुच्छेद 15 धर्म जाति लिंग नस्ल और जन्म स्थान के आधार पर किसी भी भेदभाव को रोकता है।सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दहिया नाम की महिला की याचिका पर दिया है। आदिवासी महिला की याचिका निचली अदालतों से खारिज हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट आकर उसे न्याय मिला है।

सुंदरगढ़ में महिला चिकित्सक संदिग्ध हालत में मृत पाई गईं, जांच जारी

सुंदरगढ़ (एजेंसी)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में शुक्रवार सुबह एक महिला चिकित्सक अपने घर में मृत अवस्था में पाई गईं। मृतका की पहचान सलिला पांडा के रूप में हुई है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थीं। उनकी अचानक हुई मौत से स्वास्थ्य महकमे में शोक की लहर फैल गई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह जब सलिला पांडा नींद से नहीं जागीं, तो उनके पति ने उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। बडागांव के उप-मंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) विभूति भूषण भोई ने बताया, कि पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। सलिला पांडा सुंदरगढ़ जिले के रनगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से पिछले 10-15 वर्षों से जुड़ी थीं। स्थानीय लोगों और सहयोगियों ने उनकी असामयिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

पति-पत्नी और वो मामले ने ले ली एक और जान : महिला ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

नेल्लोर (एजेंसी)। पति-पत्नी और वो मामले में जान ले लेना या दे देना मानों आम बात होती चली जा रही है। इस तरह के अनेक मामले सामने आ चुके हैं और अब ताजा मामला आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के रापुर से आया है, जहां एक प्रेम-प्रसंग ने विवाह जैसी पवित्र बंधन को शर्मसार कर दिया। यहां पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की गला घोंटकर हत्या कर दी और बाद में उसे आत्महत्या का रूप देने की भी कोशिश की। पुलिस पूछताछ में गुरुवार को महिला ने आखिरकार सच कबूल कर लिया। यह चौंकाने वाली घटना रापुर एससी कॉलोनी (अरुंधतियावाड़ा) में विगत रात को घटी, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला की पांच साल पहले मृतक युवक से शादी हुई थी। हालांकि, शादी से पहले वह किसी अन्य युवक से प्रेम करती थी और विवाह के बाद भी उस रिश्ते को जारी रखा। बताया जा रहा है कि महिला का प्रेमी अक्सर उसके ससुराल आता-जाता था। बुधवार की रात जब पति शराब के नशे में था, तो महिला ने अपने प्रेमी को घर बुलाया और दोनों ने मिलकर रस्सी से उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद दोनों ने शव को इस तरह पेश किया कि मामला आत्महत्या जैसा लगे। सुबह जब पति नहीं उठा तो ससुराल पक्ष को शक हुआ। मृतक के माता-पिता ने जब उसे जगाने की कोशिश की, तो बहू ने अनजान बनने का नाटक किया। हालांकि, जब शव पर चोट के निशान देखे गए, तो परिजनों को शक हुआ और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। पूछताछ में महिला ने पहले सच्चाई छुपाने की कोशिश की, लेकिन सख्ती से पूछने पर वह टूट गई और अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि पति उसकी राह का रोड़ा बन गया था, इसलिए उसने प्रेमी संग मिलकर उसकी हत्या कर दी। महिला और उसके प्रेमी को हिरासत में लेकर पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

आंतकी मसूद अजहर पीओके में मौजूद... क्या पाकिस्तान सौंपेगा आंतकी को

-बिलावल भुट्टो ने दावा किया, पाकिस्तान में मिलने पर सौंप देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का मोस्ट वांटेड आतंकवादी, जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में दिखाई दिया है, जो उसके बहावलपुर गढ़ से 1,000 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूर है। रिपोर्ट के अनुसार अजहर को हाल ही में स्कार्दू में सादपारा रोड इलाके के आसपास देखा गया था। इलाके में करीब दो मस्जिदें, उससे जुड़े मदरसे और कई निजी व सरकारी गेस्ट हाउस हैं। आकर्षक झीलों और प्राकृतिक पार्कों के साथ पर्यटन केंद्र के रूप में जाना जाने वाला यह स्थान संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के प्रमुख के लिए एक कम-प्रोफाइल वाला स्थान है।

यह खुलासा पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के उस दावे के बाद हुआ है जिसमें उन्होंने हाल ही में कहा था कि अजहर अफगानिस्तान में हो सकता है। उन्होंने कहा था कि अगर आंतकी मसूद पाकिस्तानी धरती पर मिलाता हैं तब इस्लामाबाद आंतकी मसूद को भारत को सौंप देगा। हाल ही में एक साक्षात्कार में भुट्टो ने कहा कि अगर भारत सरकार हमारे साथ यह जानकारी साझा करती है कि वह पाकिस्तानी धरती पर है, तब हमारी सरकार को आंतकी मसूद को गिरफ्तार करने में बेहद खुशी होगी। अज़हर भारत में कई आतंकी गतिविधियों का मास्टरमाइंड रहा है, जिसमें 2016 का पठानकोट एयरबेस हमला और 2019 का पुलवामा हमला शामिल है, जिसमें 40 से ज़्यादा सैनिक मारे गए थे। भारतीय खुफिया एजेंसियां अजहर की गतिविधियों पर कड़ी नज़र रख रही हैं, जबकि जैश के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जानबूझकर गलत सूचनाएं फैला रहे हैं, उसके भाषणों के पुराने ऑडियो क्लिप्स को फिर से इस्तेमाल करके यह साबित कर रहे हैं कि वहां बहावलपुर में अपने लंबे समय से मौजूद अड्डे पर ही था।

अजहर के वहां दो ज्ञात प्रतिष्ठान हैं जामिया सुभान अल्लाह, जैश का मुख्यालय जो कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निशाना बनाया था, और जामिया उस्मान ओ अली, जो शहर के घनी आबादी वाले इलाके में स्थित एक मस्जिद है, जहाँ उसका पुराना आवास एक अस्पताल के पास भी है। रिपोर्टों में कहा गया है कि जामिया सुभान अल्लाह पर भारत के हमलों में अजहर के परिवार के 10 सदस्य मारे गए। भारत, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित, अजहर को भारत में कई आतंकी हमलों के लिए ज़िम्मेदार माना जाता है, जिनमें 2001 में संसद पर हमला भी शामिल है। एक बार वह भारत की हिरासत में था, जब उसके साथियों ने एक विमान का अपहरण कर लिया और यात्रियों की रिहाई के बदले अजहर को छोड़ दिया। रिहाई के तुरंत बाद, अजहर ने जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना की।

यह पहली बार नहीं है जब अज़हर को बहावलपुर से बाहर आया है। 2019 के बालाकोट हवाई हमलों के बाद, बहावलपुर से पेशावर के एक गुप्त ठिकाने में स्थानांतरित किया गया था। अज़हर अकेला आतंकवादी नेता नहीं है जो कि पाकिस्तान में सुरक्षित पनाह मिली है। माना जाता है कि एक अन्य घोषित आतंकवादी और आतंकी संगठन हिज़्बुल मुजाहिदीन का प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन, इस्लामाबाद के एक पॉश इलाके से अपनी गतिविधियाँ संचालित कर रहा है।

एक दिन की रोक के बाद अमरनाथ यात्रा फिर शुरु, 7,908 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू से अमरनाथ यात्रा को खराब मौसम के कारण एक दिन के लिए रोका गया था जो अब फिर शुरु हो गई है। शुक्रवार को जम्मू से 7,908 श्रद्धालुओं का जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में अब तक 2.52 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को 7,908 यात्रियों का यह जत्था घाटी के लिए रवाना हुआ। 92 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला 2,879 यात्रियों को लेकर सुबह 3.30 बजे बालटाल कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि 169 वाहनों का दूसरा सुरक्षा काफिला 5,029 यात्रियों को लेकर सुबह 4.25 बजे नुनवान शिविर के लिए रवाना हुआ। इससे पहले 10 जुलाई को पहलगाम में छड़ी मुबारक का भूमि पूजन किया गया। छड़ी मुबारक के एकमात्र संरक्षक महंत स्वामी दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में संतों के एक समूह द्वारा छड़ी मुबारक को श्रीनगर स्थित दशनामी अखाड़ा भवन से पहलगाम लाया गया। पहलगाम में छड़ी मुबारक को गौरी शंकर मंदिर ले जाया गया, जहां भूमि पूजन किया गया। फिर छड़ी मुबारक को दशनामी अखाड़ा भवन स्थित अपने स्थान पर वापस ले जाया गया। यह 4 अगस्त को श्रीनगर स्थित दशनामी अखाड़ा मंदिर से गुफा मंदिर की ओर अपनी अंतिम यात्रा शुरू करेगी और 9 अगस्त को पवित्र गुफा पहुंचेगी, जहां यात्रा का समापन होगा। बता दें अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई और 9 अगस्त को खत्म होगी। यह कुल 38 दिनों की यात्रा है, जो श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के दिन खत्म होती है। यह यात्रा 3888 मीटर ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा तक होती है, जहां भगवान शिव का प्राकृतिक हिम शिवलिंग स्थापित होती है, जो घटता-बढ़ता है। भक्तों का मानना है कि बर्फ की यह संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है।

आधार कार्ड के आवेदन नियम कड़े और उनकी समय पर समीक्षा जरूरी

-पीएसी बैठक में बीजेपी सांसदों ने उठाया मुद्दा कहा-घुसपैठिए भी बनवा रहे आधार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अयोग्य लोगों के आधार हासिल करने का मामला गर्माने लगा है। बीजेपी के कुछ सदस्यों ने लोक लेखा समिति (पीएसी) की बैठक में इस मामले को उठाते हुए कहा कि घुसपैठिए भी आधार बनवा लेते हैं और फिर इसके जरिए वोटर आईडी जैसे ऑफिशियल डाक्यूमेंट्स हासिल कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी नेताओं ने कहा कि इतना सब होने पर वह सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का दावा करने लगते हैं। पीएसी अध्यक्ष कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के कामकाज पर चर्चा की। पीएसी की बैठक में कुछ सदस्यों ने आधार कार्ड में सुधार के लिए सरल प्रक्रिया अपनाने की मांग की, क्योंकि कुछ गलती होने पर लोग सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से चूक जाते हैं। सूत्रों के मुताबिक कमेटी ने अथॉरिटी से कहा कि जल्द से जल्द एक सर्कुलर जारी किया जाए। इसके जरिए लोगों को आधार हासिल करने और उसकी सरल प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जा सके।

हालांकि, सत्ताधारी गठबंधन के कई सदस्यों ने कहा कि बड़ी संख्या में संदिग्ध लोगों ने आधार कार्ड बनवा लिया है। इसलिए आवेदन नियमों को कड़ा करने और उनकी समीक्षा होने की जरूरत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक सांसद ने दावा किया कि आधार कार्ड पिछले दरवाजे से एंट्री का जरिया बन गया है। संदिग्ध नागरिकता वाले लोग इससे अपने लिए आधिकारिक कागजात बनवाने लगते हैं जिनमें वोटर आईडी और पासपोर्ट भी शामिल है। सूत्रों ने कहा कि बैठक में कर्नाटक, बिहार और झारखंड में कथित घुसपैठियों का भी जिक्र किया गया। कुछ सांसदों का मानना था कि आधार को केवल निवास प्रमाण माना जाता है। यह भारतीय नागरिकता को प्रमाणित नहीं करता। इसलिए अधिकारियों को फिर से विचार करना चाहिए कि क्या केवल आधार होने पर कल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों की पहचान हो जाएगी। आखिरकार, केवल भारतीय नागरिक को ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए।

मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान: हिंदू, बौद्ध और सिखों के अलावा रद्द होंगे सभी के एससी सर्टिफिकेट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में कहा कि अगर किसी व्यक्ति ने सरकारी नौकरियों जैसे आरक्षण का लाभ हासिल किया है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी व्यक्ति ने अनुसूचित जाति के प्रमाण पत्र का इस्तेमाल करके चुनाव जीता है, तो उसका चुनाव रद्द कर दिया जाएगा। फडणवीस ने कहा कि अगर हिंदू, बौद्ध और सिख धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म के व्यक्ति ने अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र हासिल किया है, तो उसे रद्द कर दिया जाएगा।

फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार बलपूर्वक या धोखे से किए जा रहे धर्मांतरण से संबंधित मामलों से निपटने के लिए कड़े प्रावधान लाने पर विचार कर रही है और इस संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। फडणवीस ने विधान परिषद में एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने ऐसे मामलों से निपटने के संबंध में सिफारिशें देने के लिए पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था और उसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। उन्होंने कहा कि सरकार अध्ययन करेगी और आवश्यक बदलाव कर ऐसे प्रावधान लाएगी, जिससे बलपूर्वक या धोखे से धर्मांतरण पर लगाम लगे।मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसे मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत कार्रवाई की जा सकती है। लेकिन कड़े प्रावधानों का सुझाव देने के लिए एक पैनल का गठन किया गया है। राज्य सरकार ऐसे मामलों से निपटने के लिए कड़े प्रावधान लाने की मंशा रखती है और हम जल्द ही इस पर फैसला लेंगे। गृह राज्य मंत्री पंकज भोयर ने सोमवार को कहा था कि राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जाएगा और यह अन्य राज्यों के समान कानूनों से ज्यादा सख्त होगा।

भाजपा के नेता अमित गोरखे ने दावा किया कि 'पहचान छिपाने वाले ईसाई धार्मिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं और लोग अनुसूचित जाति श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ उठाते हैं लेकिन दूसरे धर्मों को मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऊपरी तौर पर ये लोग अनुसूचित जाति से होते हैं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ उठाते हैं, चुनावों के दौरान इसका इस्तेमाल करते हैं लेकिन गुप्त रूप से अलग धर्म का पालन करते हैं।भाजपा नेता और विधान परिषद की निर्दलीय सदस्य चित्रा वाघ ने कहा कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां पति ने अपना धर्म छिपाकर धोखे से शादी की। उन्होंने सांगली का एक मामला बताया जहां एक महिला की शादी ऐसे परिवार में कर दी गई, जो गुप्त रूप से ईसाई धर्म का पालन करता था।

गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर में गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने तमिलनाडु से गिरफ्तार कर लिया है। बता दें सोमवार से लगातार ईमेल के जरिए जारी पांच बार श्री हरमंदिर साहिब को आरडीएक्स से उड़ने की धमकियां मिली थी। इसके बाद पुलिस और अर्ध सैनिक बल व टास्क फोर्स द्वारा लगातार क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। गोल्डन टेंपल को कई बार बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। इसके साथ शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति को गोल्डन टेंपल को उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिलने के बाद, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को लोगों से अफवाहों से सावधान रहने का आग्रह किया और कहा कि उनकी सरकार सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं होने देगी।शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) को मिले धमकी भरे ईमेल के मद्देनजर उन्होंने पुलिस महानिदेशक गौरव यादव सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ यहां एक बैठक भी की।

बिहार में बढ़ रहा पीके का कुनबा, भोजपुरी गायक रितेश पांडे और पूर्व आईपीएस अधिकारी पार्टी में शामिल

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले, भोजपुरी गायक रितेश पांडे और पूर्व आईपीएस अधिकारी जयप्रकाश सिंह जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। पार्टी में उनका स्वागत कर किशोर ने कहा कि हम लोगों ने जानबूझकर उस दिन चुना है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार आ रहे हैं और अपनी बड़ी-बड़ी बातों से लोगों को लुभाने की कोशिश करने वाले है। इस मौके पर सारण जिले निवासी सिंह, जो हिमाचल प्रदेश कैडर में एडीजीपी रैंक तक पहुंचे थे, ने कहा कि उन्होंने 25 साल की सेवा के बाद वीआरएस ले लिया क्योंकि मुझे एहसास हुआ कि जन सुराज मेरे गृह राज्य में इतिहास बनाने के लिए तैयार है।

पांडे ने एक तात्कालिक हिंदी गीत गाया, जिसमें जन सुराज पार्टी की आकांक्षा को रेखांकित किया गया कि राज्य की धरती पर सभी को रोज़ी रोटी मिले। यह प्रत्याशित जुड़ाव हाल ही में लोकप्रिय यूट्यूबर मनीष कश्यप के हाई-प्रोफाइल पार्टी में शामिल होने के बाद हुआ है, जिन्होंने पीके के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़कर जन सुराज पार्टी का दामन थामा था। इसके अलावा, राजनीतिक गलियारों में भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह के जन सुराज पार्टी के साथ जुड़ने की अटकलें भी गर्म हैं।

प्रशांत किशोर ने गाँव-गाँव पदयात्राओं के ज़रिए करीब दो साल तक ज़मीनी स्तर पर व्यापक जुड़ाव के बाद, पिछले साल 2 अक्टूबर को औपचारिक रूप से जन सुराज पार्टी की शुरुआत की थी। चुनाव आयोग ने पार्टी को स्कूल बैग चुनाव चिन्ह आवंटित किया है।

मेटा ने सीएम सिद्धारमैया को बताया मृत, बवाल होने पर कंपनी ने माफी मांगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मेटा कंपनी के ऑटो ट्रांसलेशन ने खासा विवाद पैदा कर दिया है। मेटा ने फेसबुक पर सीएम ऑफिस की तरफ से पोस्ट एक संदेश को ट्रांसलेट करते हुए सिद्धारमैया को मृत बता दिया। इसके बाद खासा विवाद हो गया। खुद सीएम सिद्धारमैया ने इसको लेकर आपत्ति जताई। इसके बाद मेटा ने माफी मांगी है। सिद्धरमैया ने 'एक्स'पर लिखा कि मेटा प्लेटफॉर्म पर कन्नड़ सामग्री के दोषपूर्ण स्व-अनुवाद में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और यूजर्स को गुमराह किया जा रहा है। आधिकारिक संचार के मामले में यह विशेष रूप से खतरनाक है। मेरे मीडिया सलाहकार ने मेटा को औपचारिक रूप से पत्र लिखकर तत्काल सुधार का आग्रह किया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इसको लेकर चिंता जाहिर की थी। इसके बाद ही मेटा बैकफुट पर आया है। कर्नाटक के सीएम ने कहा था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कन्नड़ के खराब ऑटो-ट्रांसलेशन के चलते यूजर्स को गलत जानकारी मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है और उपयोगकर्ताओं को गुमराह कर रहा है। सिद्धारमैया ने कहा कि उनके मीडिया सलाहकार ने औपचारिक रूप से इन प्लेटफॉर्म की मूल कंपनी मेटा को पत्र लिखकर तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार केवी प्रभाकर ने 16 जुलाई को मेटा को लिखे पत्र में इस संबंध में मुख्यमंत्री की ओर से गंभीर चिंता प्रकट की है। उन्होंने लिखा कि हमने चिंता के साथ इस बात को संज्ञान में लिया है कि कन्नड़ से अंग्रेजी का स्व-अनुवाद अक्सर गलत रहता है। कुछ मामलों में तो यह बहुत ज्यादा भ्रामक होता है। प्रभाकर ने कहाकि सरकारी मामलों, खासतौर पर मुख्यमंत्री जैसे किसी संवैधानिक प्राधिकार के पत्रों की संवेदनशीलता को देखते हुए त्रुटिपूर्ण अनुवाद टूल से इस तरह का गलत अनुवाद अस्वीकार्य है।

ये है पूरा मामला

जिस पोस्ट पर विवाद हो रहा है, वह कर्नाटक के मुख्यमंत्री ऑफिस की तरफ से की गई थी। कन्नड़ में लिखी गई मूल पोस्ट में सीएम सिद्दारमैया ने अभिनेत्री बी सरोजा देवी के निधन पर दुख जताया था। लेकिन ऑटो ट्रांसलेशन में यह पूरी तरह से गलत हो गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहाकि सोशल मीडिया मंचों को खासतौर पर सरकारी संचार में जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहाकि नागरिकों को इस बारे में सचेत रहना चाहिए कि इन प्लेटफॉर्म पर होने वाला अनुवाद अक्सर गलत होता है।

आंतकियों के बने खुफिया जासूस और सूखा राशन पहुंचा रहे ड्रोन, सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और चुनौती बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी समूहों के लिए ड्रोन नए 'ओवर ग्राउंड वर्कर्स' (ओजीडब्ल्यू) के रूप में सामने आए हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और चुनौती काफी बढ़ गई है। पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई ड्रोन की मदद से आतंकवादियों को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार भेजने के अपने प्रयासों को तेज कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव के कारण मानव ओजीडब्ल्यू नेटवर्क पर निर्भरता काफी कम हो गई है। इन ड्रोनों का इस्तेमाल कश्मीर और जम्मू क्षेत्र के ऊंचाई वाले इलाकों में छिपे आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों की निगरानी के लिए हो रहा है, जिससे कुछ आतंकवाद-रोधी अभियानों में सफलता की दर कम हुई है। कुछ मामलों में ये ड्रोन आतंकवादियों के लिए सूखा राशन भी पहुंचा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए आतंकवादियों द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल 27 जून, 2021 को शुरू हुआ था, जब जम्मू हवाई अड्डे पर दो मानवरहित हवाई यान टकराए थे। आईएसआई घुसपैठ के प्रयासों से पहले सटीक स्थिति का आकलन करने और कमजोरियों की पहचान करने के लिए ड्रोन तकनीक का लाभ उठा रही है। अधिकारियों को प्रामाणिक जानकारी मिली है कि मई के तीसरे सप्ताह में पीओके में आईएसआई अधिकारियों और प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के शीर्ष आतंकवादियों की बैठक हुई थी, जिसमें घुसपैठ से पहले की स्थिति पर नज़र रखने के लिए ड्रोन निगरानी के महत्व पर जोर दिया गया था।

बता दें कि अमेरिकी सेना के लिए काम कर रहे गैर-लाभकारी पेशेवर संगठन 'एसोसिएशन ऑफ द यूनाइटेड स्टेट्स आर्मी' (एयूएसए) की रिपोर्ट में कहा गया है, ''एक बार जब पिटारा खुल गया, तो बुरे तत्व जल्दी से इसके अनुरूप ढल गए और हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के लिए उन्होंने ड्रोन का उपयोग करना शुरू कर दिया।'' रिपोर्ट में कहा गया कि आतंकवादी संगठन पिछले संघर्षों से सबक ले रहे हैं और लगातार अपने तरीकों में बदलाव कर रहे हैं।

बता दें कि आतंकवादियों द्वारा ड्रोन का पहला इस्तेमाल इस्लामिक स्टेट ने इराक के मोसुल में सैन्य अभियानों के दौरान किया था जहां उन्होंने टोह के लिए और बम गिराने, दोनों के लिए यूएवी तैनात किए थे। अधिकारियों के मुताबिक जैसा कि पिछले संघर्षों में देखा गया है, ये समूह सीख रहे हैं और अपनी रणनीतियां बना रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन तकनीक में तेजी से होती प्रगति और इसकी बढ़ती पहुंच आतंकवादी संगठनों को डर फैलाने तथा हमले करने के नए रास्ते प्रदान करती

है, जिससे आतंकवाद-रोधी प्रयास जटिल हो जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

कंबोडिया में साइबर अपराध पर नकेल, 1000 गिरफ्तार

नामपेन्ह, एजेंसी। एशियाई देश कंबोडिया में साइबर अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। प्रधानमंत्री हुन मानेट ने देश में आपराधिक साइबर कृत्यों पर नकेल कसने और कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इसी का नतीजा है कि महज एक हफ्ते में 1,000 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। प्रधानमंत्री मानेट ने सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को बरकरार रखने और संरक्षित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि कंबोडिया में, विदेशी आपराधिक समूह ऑनलाइन घोटाले करने के लिए घुसपैठ कर चुके हैं। साइबर अपराध के अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोह प्रतिवर्ष अरबों डॉलर कमाते हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों का अनुमान है कि अधिकांश साइबर घोटालों के तार दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़े होते हैं। इन्हीं बातों के मद्देनजर देश की सरकार सख्त कदम उठा रही है। साइबर स्कैम और जुए के धंधों के लिए कुख्यात थाईलैंड की सीमा से सटे कंबोडियाई शहर पोइपेट में बुधवार को 45 महिलाओं समेत कम से कम 270 इंडोनेशियाई लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, उत्तरपूर्वी प्रांत क्राटी में पुलिस ने थाईलैंड, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, म्यांमार और वियतनाम के नागरिकों समेत 312 लोगों को गिरफ्तार किया।

बेल्जियम के टुमॉरोलैंड संगीत समारोह के मुख्य मंच में लगी आग

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम में होने वाले टुमॉरोलैंड म्यूजिक फेस्टिवल के शुरू होने से दो दिन पहले, बुधवार को इसके मुख्य मंच में आग लग गई। आयोजकों ने बताया कि आग से मंच को काफी नुकसान पहुंचा है। इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। सोशल मीडिया और खबरों में आई तस्वीरों में दिखा कि आग की लपटें मंच को घेर रही थीं और धुआं आसमान में फैल रहा था। आग पास के जंगल तक भी पहुंच गई। यह फेस्टिवल ब्रुसेल्स के पास बूम शहर में होता है और शुक्रवार से शुरू होने वाला था। इसमें यूरोप के कई देशों से हजारों लोग शामिल होते हैं।

न्यू जर्सी में बिजली गिरने से 1 व्यक्ति की मौत, 13 घायल

न्यू जर्सी , एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी के एक तीरंदाजी रेंज में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। न्यू जर्सी के जैक्सन टाउनशिप के पुलिस प्रमुख ने बताया कि बुधवार शाम करीब 7.15 बजे पुलिस को सूचना मिली कि ब्लैक नाइट बोबेंडर्स तीरंदाजी रेंज में बिजली गिरने से कई लोग उसकी चपेट में आए हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे में 61 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में कुछ जलने से घायल हैं तो कुछ बेहोश हो गए थे। घायलों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों में एक 7 साल का बच्चा भी शामिल है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने जेफ्री एप्सटीन से जुड़ी विश्वसनीय जानकारी सामने लाने को कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के स्पीकर माइक जॉनसन के जेफ्री एप्सटीन से जुड़े दस्तावेज सामने लाने की मांग के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी से विश्वसनीय जानकारी सार्वजनिक करने को कहा है। हालांकि, पहले ट्रम्प ने कहा था कि एप्सटीन का मामला अब पुराना है और देश को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने बॉन्डी का समर्थन करते हुए कहा कि वह जो दस्तावेज ठीक समझें, उन्हें जारी कर सकती हैं। इसके चलते ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों में गुस्सा बढ़ गया था क्योंकि खुद ट्रम्प 10 साल से एपस्टीन फाइल्स को अपने विरोधियों पर सियासी हमले करने के लिए इस्तेमाल करते रहे हैं। बॉन्डी ने एप्सटीन पर सवालों से बचते हुए कहा था कि उनका ध्यान ड्रग्स और मानव तस्करी जैसे बड़े मुद्दों पर है। एप्सटीन एक फाइनेंसर थे, जिन्होंने 2019 में जेल में आत्महत्या कर ली थी। उन पर सेक्स ट्रैफिकिंग के गंभीर आरोप थे।

इराक के शॉपिंग मॉल में लगी भीषण आग, 50 लोगों की जिंदा जलने से मौत

बगदाद, एजेंसी। इराक के एक शॉपिंग मॉल में भीषण आग लगने कम से कम 50 लोगों के जिंदा जलकर मारे जाने की खबर है. न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक दावा किया जा रहा है कि यह हादसा इराक के अल-कुट के एक सुपरमार्केट में हुआ है. वायरल तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि इमारत के बड़े हिस्से में आग लगी हुई है और धुएं का गुबार निकल रहा है. हादसे से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म काफी वायरल हो रहा है, जिसमें पांच मंजिला इमारत आग की लपटों में घिरी दिखाई दे रही है, जबकि दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. वासित प्रांत के गवर्नर मोहम्मद अल-मियाही ने आधिकारिक आईएनए समाचार एजेंसी को बताया, एक बड़े शॉपिंग सेंटर में लगी इस आग में मरने वाले पीड़ितों की संख्या लगभग 50 हो गई है. हालांकि, आग लगने का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन आईएनए के अनुसार, गवर्नर ने कहा कि जांच के प्रारंभिक निष्कर्ष 48 घंटों के भीतर जारी किए जाएंगे. आग किस वजह से लगी, इसका आधिकारिक कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. हालांकि, ईराक की सरकारी समाचार एजेंसी आईएनए के मुताबिक, आग लगने के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, 4 लोगों की मौत; शेख हसीना के गढ़ में उपद्रव के बाद लगा कर्फ्यू

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंसा का दौर फिर से शुरू हो गया है। नेशनल सिटिजन पार्टी की ओर से आयोजित रैली के दौरान बुधवार को भीषण हिंसा हुई और इसमें 4 लोग मारे गए हैं। यह हिंसा शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और नेशनल सिटिजन पार्टी के लोगों के बीच हुई। गोपालगंज में पूरे दिन ही रुक-रुककर झड़पें होती रहीं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। यह घटनाक्रम अहम है क्योंकि गोपालगंज शेख हसीना का होमटाउन है। उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान का जन्म यहीं हुआ था। जिले के पोरा पार्क में सिटिजन पार्टी की रैली का आयोजन होना था और उससे पहले हिंसक झड़पें शुरू हो गईं। बांग्लादेश के अखबार डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इस रैली का अवामी लीग के लोग विरोध कर रहे थे। उनकी ओर से रैली का रास्ता रोकने के लिए कई जगहों पर पेड़ों को काटकर डाल दिया गया था। इसके अलावा हथियारों से लैस होकर रास्तों पर उन्हें घेरने का भी आरोप है। इसके अलावा आरोप यह भी है कि उन लोगों ने सरकारी वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया। इसके बाद नेशनल सिटिजन पार्टी के रैली स्थल पर भी हमला होने का आरोप है। बता दें कि बांग्लादेश में अवामी लीग की सभी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक प्रतिबंध लगा दिया गया है। फिलहाल दक्षिणी जिले में सरकार ने कर्फ्यू लगा दिया है ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। इसके अलावा गोपालगंज जिले में स्कूली परीक्षाओं तक को स्थगित कर दिया गया है। गोपालगंज के सिविल सर्जन अबू सैयद मोहम्मद फारूक का कहना है कि इस हिंसा में 4 लोग मारे गए हैं और 13 घायल हुए हैं। मारे गए लोगों की पहचान दीप्तो साहा, रमजान काजी, सोहले और ईमान के तौर पर हुई है। दीप्तो साहा के परिजनों का कहना है कि उनका बेटा किसी भी राजनीतिक दल से नहीं जुड़ा था। वह घर से लंच करने के बाद दुकान लौट रहा था। इसी दौरान उसके पेट पर गोली मार दी गई। सुरक्षाबलों की फायरिंग में मारे गए लोग या फिर हिंसा के शिकार? हालांकि यह फायरिंग सुरक्षाबलों की ओर से किए जाने की बात सामने आ रही है। एक दुकानदार ने कहा कि सुरक्षाबलों ने जब फायरिंग की तो दो लोगों को गोलियां लगीं और मैंने उन्हें जमीन पर नीचे गिरते हुए देखा। माना जा रहा है कि इस हिंसा के बाद भारत में निर्वासित होकर रह रहीं शेख हसीना की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। उनकी पार्टी के लोगों पर सरकारी ऐक्शन तेज हो सकता है। पहले ही अवामी लीग की गतिविधियों पर रोक लगी हुई है। इसके अलावा उसके कार्यकर्ता भी ज्यादातर शहरों में भूमिगत होकर जी रहे हैं। हिंसा के बाद भी एनसीपी ने रैली की, गोपालगंज में 22 घंटे कर्फ्यू हिंसा के बावजूद एनसीपीने गोपालगंज में अपनी रैली पूरी की। क्षतिग्रस्त मंच पर टूटी हुए साउंड सिस्टम के साथ नेताओं ने भाषण दिए। एनसीपी के संस्थापक और कन्वीनर नाहिद इस्लाम ने रैली की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षा एजेंसियों ने हमें न्याय नहीं दिया, तो हम अपने लिए न्याय खुद लेंगे। एनसीपी नेता सरजिस आलम ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, गोपालगंज में, हत्यारी हसीना के गुर्गों ने हम पर हमला किया। पुलिस बस खड़ी होकर तमाशा देखती और पीछे हट गई। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के ऑफिस ने गोपालगंज में बुधवार रात आठ बजे से अगले 22 घंटे का कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया है। गोपालगंज में पैरामिलिट्री बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के लगभग 200 सैनिकों को गोपालगंज में तैनात किया गया है। बांग्लादेश में एनसीपी एक नया उभरता राजनीतिक दल है। 28 फरवरी 2025 को इसका गठन हुआ। यह छात्रों के नेतृत्व वाला पहला राजनीतिक दल माना जाता है। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस को इसका समर्थन मिला हुआ है। यूनुस बोले- रैली से रोकना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन यूनुस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, युवाओं को उनके क्रांतिकारी आंदोलन की एक साल की सालगिरह मनाने के लिए शांतिपूर्ण रैली करने से रोकना उनके मौलिक अधिकारों का शर्मनाक उल्लंघन है। यूनुस ने हिंसा के लिए हसीना की अवामी लीग पार्टी और उसके छात्र समूह को जिम्मेदार ठहराया। ?यूनुस ने कहा, अपराधियों की जल्द से जल्द पहचान की जानी चाहिए और उन्हें पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। बांग्लादेश के किसी भी नागरिक के खिलाफ इस तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। हम उन छात्रों के साहस की सराहना करते हैं।

अमेरिका में लाखों रुपये के सामान की चोरी करते पकड़ी गई भारतीय महिला, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक भारतीय महिला टारगेट स्टोर में लाखों रुपये के सामान की चोरी करते हुए पकड़ी गई। आरोपी महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया है। महिला टारगेट स्टोर में सात घंटे से अधिक समय तक रही, जिससे स्टोर के स्टाफ को उसके स्वभाव पर शक हुआ। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने स्टोर से महिला को हिरासत में ले लिया। महिला पर 1300 डॉलर का सामान चुराने का आरोप है। पुलिस कर्मियों के शरीर पर लगे बॉडी कैम का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। जिसमें दिख रहा है कि जब पुलिस स्टोर पहुंचती है तो स्टोर के स्टाफ ने महिला को एक कमरे में बिठाया हुआ था और उससे पूछताछ की जा रही थी। पुलिस के पहुंचने पर स्टोर के कर्मचारी ने बताया कि यह महिला बीते 7 घंटे से भी ज्यादा समय से स्टोर में मौजूद थी और वह सामान उठा रही थी और बार-बार अपना फोन चेक कर रही थी। महिला ने लिए गए सामान का भुगतान करने के बजाय उसे लेकर पिछले दरवाजे से निकलने की कोशिश की। इसके बाद आरोपी महिला ने चुराए गए सामान का भुगतान करने की कोशिश की। महिला ने ये भी कहा कि वह इस देश की नहीं है। महिला ने माफी मांगकर बात खत्म करने की भी कोशिश की। हालांकि पुलिस ने उसकी कोई बात नहीं मानी और आरोपी महिला को हथकड़ी लगाकर पुलिस स्टेशन ले जाया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद इसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कई भारतीय अप्रवासियों ने घटना को लेकर निराशा जाहिर की और कहा कि किसी देश में अप्रवासी होने पर वह कानून तोड़ने से डरता है।

बलूचिस्तान में बस पर ताबड़तोड़ गोलीबारी, 3 लोगों की मौत और 7 घायल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। आए दिन ही प्रांत में कहीं न कहीं आपराधिक घटनाओं के मामले सामने आते रहते हैं। कुछ दिन पहले एक बस से 9 यात्रियों को किडनैप करके उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया था। अब बलूचिस्तान में एक और बस को निशाना बनाया गया है। कराची से क्वेटा जा रही यात्रियों से भरी एक बस पर बंदूकधारियों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। यह हमला बुधवार को कलात शहर में एक चेकपोस्ट के पास हुई। बलूचिस्तान के कलात में यात्रियों से भरी बस पर गोलीबारी में 3 यात्रियों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मरने वाले तीनों यात्री कव्वाली गायक थे और कराची से क्वेटा, एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए जा रहे थे। गंभीर रूप से घायल लोगों को क्वेटा के अस्पताल में भेजा गया है। मशहूर कव्वाल माजिद अली साबरी ने बताया कि उनके भाई, भतीजे और लोग शादी समारोह में प्रदर्शन के लिए क्वेटा जा रहे थे। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि सुरक्षा बलों और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और हमलावरों की तलाश में अभियान शुरू किया गया है।

अलास्का में 7.3 तीव्रता का भूकंप : सुनामी की चेतावनी वापस ली गई

जूनो, एजेंसी। अमेरिकी राज्य अलास्का में गुरुवार तड़के करीब 2 बजे (भारतीय समयानुसार) भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7.3 रही। इसके बाद राज्य के तटवर्ती इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ घंटों बाद इसे वापस ले लिया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप अलास्का के पॉपोफ आइलैंड पर सैंड पॉइंट के पास आया। इसका केंद्र जमीन से 36 किलोमीटर नीचे था। हालांकि, इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अलास्का भूकंप एजेंसी के मुताबिक यहां एक सप्ताह में, लगभग 400 भूकंप दर्ज किए गए। सबसे बड़ा भूकंप 16 जुलाई को अटका के पास 5.1 तीव्रता का था। मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के अनुसार, 7.0 से 7.9 तीव्रता वाला भूकंप नुकसान पहुंचाने में सक्षम माना जाता है। अलास्का में हर साल लगभग 10-15 ऐसे भूकंप दर्ज किए जाते हैं। लोगों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील भूकंप के बाद, सुनामी चेतावनी प्रणाली ने अलास्का के कुछ तटीय हिस्सों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि सैंड पॉइंट के दक्षिण में आया यह भूकंप प्रशांत और उत्तर अमेरिकी प्लेटों के बीच सबडक्शन जोन पर या उसके पास थ्रस्ट फॉल्टिंग के कारण हुआ। अलास्का रिंग ऑफ फायर का हिस्सा अलास्का अमेरिका का भूकंपीय रूप से सक्रिय राज्य है, जहां दुनिया के लगभग 11प्रतिशत भूकंप और पूरे अमेरिका के 17.5प्रतिशत भूकंप आते हैं। अलास्का पैसेफिक रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, जो लगातार आने वाले भूकंपों और सक्रिय ज्वालामुखियों के लिए जाना जाता है। अलास्का में

मार्च 1964 में 9.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जो उत्तरी अमेरिका में अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इस भूकंप ने एंकोरेज शहर को तबाह कर दिया। बाद में एक सुनामी आई, जिससे अलास्का की खाड़ी, अमेरिका के पश्चिमी तट और हवाई इलाके को तबाह कर दिया।

ट्रंप सरकार के खिलाफ सड़कों पर लोग, अप्रवासन-स्वास्थ्य सेवाओं में कटौती के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन : वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ विरोध बढ़ता जा रहा है। यही वजह है कि गुरुवार को सरकार के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खासकर अप्रवासन नीति और स्वास्थ्य सेवाओं में कटौती के खिलाफ लोगों में गहरी नाराजगी है। दरअसल गुरुवार को अमेरिका में नेशनल एक्शन डे भी है, जो नागरिक अधिकार कार्यकर्ता जॉन लेविस के सम्मान में आयोजित किया जाता है। नेशनल एक्शन डे पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ देशभर में 1600 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन होंगे। कई सामाजिक संगठन इन विरोध प्रदर्शनों का आयोजन कर रहे हैं। ऐसे ही एक संगठन पब्लिक सिटीजन की सह-अध्यक्ष लिजा गिलबर्ट ने कहा कि हम बेहद खराब दौर से गुजर रहे हैं। इस सरकार में नागरिक अधिकार, आजादी और लोकतंत्र को चुनौती दी जा रही है।

अटलांटा, सेंट लुइस, ऑकलैंड, कैलिफोर्निया, एनापोलिस और मैरीलैंड में भी विरोध प्रदर्शन होंगे। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने अप्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया हुआ है। इस सरकार में अभी तक लाखों अवैध अप्रवासियों को अमेरिका से निकाला जा चुका है और लाखों पर निर्वासन की तलवार लटक रही है।

थाईलैंड में बड़े सेक्स स्कैंडल का भंडाफोड़, एक महिला गिरफ्तार

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड में एक बड़े सेक्स स्कैंडल का भंडाफोड़ हुआ है। यहां एक महिला को कई साधुओं के साथ यौन संबंध बनाने और बाद में उन्हें ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। खबर है कि पहले लुभा कर सेक्स में फंसाने और ब्लैकमेल के इस खेल के जरिए करीब 385 मिलियन बाथ की उगाही की गई है। भारतीय मुद्रा में यह रकम 100 करोड़ रुपये से ज्यादा है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीटीआई भाषा के अनुसार, रॉयल थाई पुलिस सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने बताया कि इस कांड में शामिल कम से कम नौ बौद्ध भिक्षुओं और वरिष्ठ भिक्षुओं को भिक्षु पद से हटा दिया गया है। पुलिस ने बताया कि उत्तरी थाईलैंड स्थित एक बौद्ध मंदिर के बैंक खाते से एक वरिष्ठ भिक्षु की तरफ से विलावान एम्सावत के खाते में भेजी गई धनराशि का भी पता चला है। लगभग 35 वर्षीय विलावान एम्सावत को राजधानी बैंकॉक के उत्तर में नोंथबुरी प्रांत स्थित उसके घर से जबरन वसूली, धन शोधन और चोरी का सामान लेने के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। अपनी गिरफ्तारी से पहले विलावान ने ऐसे एक संबंध की बात स्वीकारी थी और कहा था कि उसने उस बौद्ध भिक्षु को पैसे दिए थे। गिरफ्तारी के बाद से विलावान ने कोई बयान नहीं दिया है और यह स्पष्ट नहीं है कि उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वकील है या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि विलावान ने वित्तीय लाभ के लिए जानबूझकर वरिष्ठ भिक्षुओं को निशाना बनाया। पुलिस ने पाया कि प्रेम संबंध शुरू करने के बाद कई भिक्षुओं ने बड़ी धनराशि विलावान को ट्रांसफर की थी। पुलिस ने बताया कि पिछले तीन साल में विलावान के बैंक खाते में 1.19 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि प्राप्त हुई लेकिन इसमें से अधिकतर राशि ऑनलाइन जुए वाली वेबसाइट पर खर्च की गई।

मुझे कुछ होता है तो आसिम मुनीर होंगे जिम्मेदार : इमरान खान

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को अपनी पार्टी के सदस्यों से कहा कि यदि जेल में उनके साथ कोई भी अनहोनी होती है तो उसके जिम्मेदार सेनाध्यक्ष प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर होंगे। क्रिकेटर से नेता बने 72 वर्षीय खान कई मामलों में अगस्त 2023 से जेल में हैं।

खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर खान को रिहा करने के लिए दबाव बनाने के लिए पांच अगस्त से पूरे देश में एक बड़े अभियान की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हाल के दिनों में, जेल में मेरे साथ होने वाला कठोर व्यवहार और भी बढ़ गया है। यही रवैया मेरी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ भी अपनाया जा रहा है। यहां तक कि उनकी कोठरी का टीवी भी बंद कर दिया गया है। हम दोनों के सभी बुनियादी अधिकार चाहे वे मानवीय हों या कैदियों को दी गई कानूनी निलंबित कर दिए गए हैं।

खान ने कहा कि इसके लिए जवाबदेही होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वह पूरी तरह से जानते हैं कि एक कर्नल और जेल अधीक्षक असीम मुनीर के आदेश पर कार्रवाई कर रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, इसलिए मैं अपनी पार्टी को स्पष्ट निर्देश देता हूं कि अगर जेल में मेरे साथ कुछ भी होता है तो असीम मुनीर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं अपनी पूरी जिंदगी जेल में बिताने को तैयार हूं, लेकिन अत्याचार और दमन के आगे झुकने का सवाल ही नहीं उठता। पाकिस्तान की जनता के लिए मेरा संदेश एक ही है - किसी भी हालत में इस दमनकारी व्यवस्था के आगे न झुकें। खान ने दोहराया और कहा कि बातचीत का समय बीत चुका है - अब देशव्यापी विरोध का समय है। खान ने कहा कि यहां तक कि दोषी ठहराए गए हत्यारों और आतंकवादियों को भी उनसे बेहतर स्थिति में रखा जाता है। उन्होंने एक सैन्य कर्मी का नाम लेते हुए कहा कि उसे जेल में वीआईपी सुविधा दी जा रही है।

बांग्लादेश में फिल्ममेकर सत्यजीत रे का घर गिराने पर रोक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत के मशहूर फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे के पैतृक घर के तोड़े जाने पर रोक लगा दी गई है। सत्यजीत रे के पुरखों के घर मैमनसिंह शहर में है। अधिकारियों ने अब यह तय करने के लिए एक समिति बनाई है कि इस घर को दोबारा कैसे बनाया जा सकता है। भारत ने मंगलवार को बांग्लादेश से सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति को ध्वस्त करने के फैसले पर रोक लगाने की अपील की थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस तोड़फोड़ का विरोध करते हुए कहा कि यह घर बंगाल के सांस्कृतिक इतिहास से गहराई से जुड़ा हुआ है।

सत्यजीत रे एक प्रसिद्ध भारतीय फिल्म डायरेक्टर, लेखक, संगीतकार और चित्रकार थे। उन्हें विश्व सिनेमा के बड़े फिल्मकारों में से एक माना जाता है। बांग्लादेश में सत्यजीत रे का घर लगभग सौ साल पहले बनाया गया था। 1947 में बंटवारे के बाद यह संपत्ति बांग्लादेश सरकार के अधीन हो गई थी।

प्रशासन ने अपनी गलती मानी यह घर दरअसल सत्यजीत रे के दादा, प्रसिद्ध लेखक उपेंद्रकिशोर रे चौधरी से जुड़ा है। हालांकि, बांग्लादेश उच्चायोग के एक अधिकारी फैसल महमूद ने बताया कि सत्यजीत रे खुद कभी इस घर में नहीं रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि उपेंद्रकिशोर भी शायद इस घर में नहीं रहे थे, क्योंकि वह पास के किशोरगंज जिले के कोटियाडी नाम की जगह में रहते थे। वहां उनका असली घर आज भी है और उसे विरासत स्थल के रूप में सुरक्षित रखा गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि बांग्लादेश की विरासत सूची में ऐसे 531 संरक्षित स्थल हैं,

लेकिन मैमनसिंह वाला यह घर उस सूची में नहीं था। यह प्रशासन की गलती थी कि इस घर को विरासत स्थल के रूप में नहीं जोड़ा गया, इसलिए इसे बचाने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं थी। फिर भी अब जब इस पर विवाद हुआ है, तो सरकार इस पर दोबारा विचार कर रही है। भारत सरकार ने जताई थी चिंता फैसल महमूद ने कहा कि सत्यजीत रे सिर्फ भारत या बांग्लादेश के नहीं हैं, वह पूरी दुनिया की धरोहर हैं। वे सभी बांग्लादेशियों के लिए भी गौरव हैं। इससे पहले भारत सरकार ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैमनसिंह में सत्यजीत रे के पैतृक घर को गिराया जा रहा है। यह वही घर है जो उनके दादा उपेंद्रकिशोर रे चौधरी से जुड़ा हुआ था और बंगाल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक रहा है। भारत ने कहा कि यह इमारत बांग्लादेश सरकार की संपत्ति है और खराब हालत में है, लेकिन इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए इसे गिराने के बजाय संग्रहालय या सांस्कृतिक स्थल में बदलना बेहतर होगा। भारत सरकार ने इसके पुनर्निर्माण और संरक्षण में सहयोग देने की पेशकश भी की। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इसे बेहद दुखद घटना बताया और कहा कि रे परिवार बंगाली संस्कृति का प्रमुख प्रतीक है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डीजीपी ने कमांड एंड कंट्रोल रूम का लाइव डेमो देखा

विकास सहाय ने व्यक्तिगत रूप से फरियादियों की बातें सुनी और उनकी प्रस्तुतियों को गंभीरता से दर्ज किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के पुलिस महानिदेशक (DGP) विकास सहाय ने आज सूरत का दौरा किया। डीजीपी सहाय ने सबसे पहले सूरत पुलिस कमिश्नर कार्यालय का दौरा किया। यहां उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम की बारीकी से जांच की और शहरभर में निगरानी के लिए उपयोग में ली जा रही तकनीक की जानकारी प्राप्त की।

उल्लेखनीय है कि डीजीपी विकास सहाय के इस दौरे का मुख्य उद्देश्य शहर की कानून व्यवस्था की स्थिति का निरीक्षण करना, पुलिस की कार्यप्रणाली की समीक्षा करना और नागरिकों की फरियादें सुनना था।

डीजीपी विकास सहाय ने कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली और अपराध नियंत्रण में उसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इसके बाद पुलिस कमिश्नर सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, जिनमें डीसीपी स्तर के अधिकारी भी शामिल थे, के साथ एक बैठक आयोजित की। इस बैठक में शहर की कानून व्यवस्था, अपराध के आंकड़े, ट्रैफिक प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण पुलिस से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

डीजीपी विकास सहाय के दौरे का एक अहम पहलू यह था कि उन्होंने पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे फरियादियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से फरियादियों की बातें सुनीं और उनकी प्रस्तुतियों को गंभीरता से दर्ज किया। इसके अलावा, उन्होंने यह भी जानकारी ली कि पुलिस थानों में फरियादियों की बातें कैसे सुनी जाती हैं और उनकी समस्याओं का समाधान किस तरह से किया जाता है। यह कदम पुलिस और नागरिकों के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

डीजीपी सहाय ने कमांड एंड कंट्रोल रूम का भी दौरा किया और देखा कि कंट्रोल रूम से निर्देश किस तरह दिए जाते हैं और ट्रैफिक प्वाइंट पर उनका संचालन कैसे किया जाता है। उन्होंने इसका लाइव डेमो देखा। उन्होंने आधुनिक तकनीक के उपयोग से ट्रैफिक प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के प्रयासों की सराहना की। इतना ही नहीं, उन्होंने स्वयं कमांड कंट्रोल रूम से ट्रैफिक प्वाइंट पर निर्देश जारी किए और फिर मौके पर जाकर देखा कि ये निर्देश कितनी प्रभावशीलता से पहुंचते हैं और फील्ड पर ट्रैफिक जवान किस तरह से कार्य करते हैं। इस पहल से फील्ड पर कार्य की वास्तविकता को समझने में मदद मिली।

सूरत की यात्रा पूरी करने के बाद डीजीपी विकास सहाय डांग के लिए रवाना हुए, जहां वे डीजीपी कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे।

हत्या केस का फरार आरोपी गिरफ्तार

लाजपोर जेल से 10 दिन की अंतरिम जमानत पर छूटने के बाद 9 महीने से था फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर क्राइम ब्रांच ने हत्या के एक मामले में पिछले नौ महीने से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह आरोपी वराछा पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के केस का मुख्य अभियुक्त था।

हत्या के आरोपी कच्चा काम नंबर: 1142/24 प्रकाश उर्फ अप्पू प्रतापराय ओझा (उम्र 31 वर्ष), लाजपोर सेंट्रल जेल में बंद था। वह प्लॉट नंबर 319, कमलपार्क सोसाइटी, लंबे हनुमान रोड, मातावाड़ी, वराछा, सूरत का निवासी है और मूल रूप से वढवाण गांव, तालुका लिमड़ी, जिला सुरेंद्रनगर का रहने वाला है।

यह मामला दिसंबर 2022 का है, जब मृतक खुशाल केशुभाई कोठारी (उम्र 47) का प्रकाश ओझा से झगड़ा हुआ था। झगड़े में खुशाल ने प्रकाश की पिटाई कर दी थी। इसी रंजिश के चलते प्रकाश ने अपने साथी आरोपी हर्ष गामी के साथ मिलकर खुशाल पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।

हमले में खुशाल को सीने में, गर्दन के दोनों तरफ, पेट और बाईं जांघ पर गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

गुजरात हाईकोर्ट, अहमदाबाद के आदेश पर प्रकाश ओझा को 2 सितंबर 2024 को 10 दिन की अंतरिम जमानत दी गई थी, जिसके तहत वह 6 सितंबर 2024 को लाजपोर जेल से रिहा हुआ था। लेकिन 17 सितंबर 2024 को उसे जेल में वापस पेश होना था, जहां वह हाजिर नहीं हुआ और फरार हो गया।

लगातार 9 महीने से पुलिस को चकमा दे रहा प्रकाश उर्फ अप्पू ओझा आखिरकार सूरत शहर की क्राइम ब्रांच के हाथ लगा। उसे कापोद्रा योगीचौक रोड स्थित सायोना प्लाज़ा के पास से गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच ने अब कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और उसे दोबारा लाजपोर जेल में भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

सूरत में खाड़ी अतिक्रमण हटाने के लिए मेगा डिमोलिशन

वराछा में कोईली खाड़ी के प्रवाह में बाधक 6 इमारतें ढहाई गईं भारी पुलिस बल तैनात

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका के 100 से अधिक कर्मचारी और 150 से ज्यादा पुलिसकर्मी शामिल हुए हैं। किसी भी अनहोनी घटना से बचने और कार्य में कोई रुकावट न आए, इसके लिए भारी संख्या में पुलिस बंदोबस्त किया गया है। मनपा की टीम द्वारा खाड़ी के प्रवाह में बाधा बन चुकी संपत्तियों को गिराने की कार्रवाई शुरू की गई है। इस कार्रवाई में पुलिस के अलावा टोरेंट पावर और गुजरात गैस के विभागों ने भी पूरा सहयोग दिया।

अधिकारियों के अनुसार यह डिमोलिशन कार्य तीन से चार दिन तक चलने की संभावना है। शुरुआत में कुछ स्थानीय नागरिकों में नाराज़गी देखी गई, लेकिन मनपा अधिकारियों की समझाइश के बाद उन्होंने सहयोग देना शुरू किया। अब भी अन्य संपत्तियों के मालिकों को समझाया जा रहा है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि खाड़ी के प्रवाह में बाधक सभी संपत्तियों को अनिवार्य रूप से हटाया जाएगा, ताकि भविष्य में खाड़ीभराव की समस्या से सूरत को राहत मिल सके।

वराछा के बूटभवानी क्षेत्र में खाड़ी के एक किनारे जवाहरनगर और दूसरे किनारे ईश्वरनगर बसा हुआ है। पहले यह खाड़ी दोहरी चौड़ाई की थी, लेकिन सालों से इसके दोनों किनारों पर अवैध निर्माण होते रहे, जिससे अब इसकी चौड़ाई आधी रह गई है। जवाहरनगर सोसायटी की करीब 26 संपत्तियां खाड़ी के भीतर आ चुकी हैं, जिससे खाड़ी के प्रवाह में बाधा उत्पन्न हो रही है।

जवाहरनगर क्षेत्र में स्थित कई मकानों में कपड़े की छंटाई (job work) के यूनिट चलते हैं, और इनसे बची हुई चिंदियों को खाड़ी में फेंका जाता है। खाड़ी में कपड़े की चिंदियों का बड़ा कचरा जमा हो चुका है, जिससे यह जलप्रवाह और अधिक अवरुद्ध हो रहा है।

जवाहरनगर में जिन संपत्तियों का डिमोलिशन किया गया है, उन्हें पहले ही नोटिस दिया गया था। अभी जिन अन्य संपत्तियों को गिराया जाना है, उन्हें भी नोटिस थमा दिया गया है। जिन 6 संपत्तियों का डिमोलिशन हो रहा है, उनमें से अधिकांश में कपड़े के जॉबवर्क यूनिट संचालित थे। कई मकानों में काम करने वाले श्रमिक भी रह रहे थे, जिन्हें समझाकर उन्होंने अपना सामान बाहर निकाल लिया, उसके बाद ही डिमोलिशन की कार्रवाई शुरू की गई।

सूरत शहर समुद्र किनारे बसा हुआ है। मानसून के दौरान शहर का वर्षाजल समुद्र में मिल जाए, इसके लिए कई प्राकृतिक जलमार्ग मौजूद हैं, जिनमें प्रमुख हैं – तापी नदी और खाड़ी। सूरत शहर के बीच से एक नहरनुमा जलप्रवाह गुजरता है, जिसे ''खाड़ी'' कहा जाता है। सूरत जिले के कामरेज, पलसाणा, बारडोली, मांगरोल, कडोदरा आदि इलाकों का पानी तापी में नहीं, बल्कि इन्हीं खाड़ियों में आता है।

इन खाड़ियों के दोनों किनारों पर अतिक्रमण होने से जलप्रवाह में रुकावट आती है। इस साल तो स्थिति इतनी बिगड़ी कि सरथाणा से चारोली तक का क्षेत्र चार दिनों तक पानी में डूबा रहा। इसी कारण अब बाधक अतिक्रमणों को हटाया जा रहा है। सूरत शहर से तापी नदी गुजरती है, लेकिन इसके अलावा शहर में कुल पाँच खाड़ियाँ मौजूद हैं — भेड़वाड़ खाड़ी, सीमाड़ा खाड़ी, मीठी खाड़ी, भाठेना खाड़ी और कांकरी खाड़ी। ये सभी खाड़ियाँ वर्षाजल निकासी के लिए अहम हैं और इनके प्रवाह में बाधा उत्पन्न होने से शहर को हर साल बाढ़ जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है।

नसूरा गाँव की सखी मंडल की महिलाओं से धोखाधड़ी, पूर्व पंचायत सदस्य ने फर्जी दस्तखत से लोन लेकर किया गबन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के बारडोली तालुका के नसूरा गाँव में सखी मंडल की महिलाओं के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मुख्य प्रवर्तक सदस्य (मुख्य प्रयोजक) ने महिलाओं के नाम पर फर्जी तरीके से लोन लेकर आर्थिक गबन किया। हैरानी की बात यह है कि महिलाएं खुद कोई लोन नहीं ली थीं, फिर भी उनके नाम पर कर्ज का बोझ चढ़ गया। आज सभी पीड़ित महिलाएं बारडोली ग्रामीण पुलिस स्टेशन पहुँचीं और शिकायत दर्ज करवाई।

राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सखी मंडलों के माध्यम से योजनाएँ चला रही है। लेकिन अब कुछ लोग इन सखी मंडलों की आड़ में धोखाधड़ी कर रहे हैं। नसूरा गाँव में 10 से अधिक सखी मंडल कार्यरत हैं जिनमें 100 से ज्यादा महिलाएं जुड़ी हैं। इन महिलाओं के नाम पर बैंक ऑफ बड़ौदा से लोन पास हुआ था, लेकिन उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं थी। बैंक ने लोन की राशि भी जारी कर दी, और जब लोन की किश्तें भरने का दबाव आया, तब सच्चाई सामने आई।

पूरक परीक्षा का परिणाम घोषित

कक्षा 10 का परिणाम 27.61%,कक्षा 12 सामान्य प्रवाह का 51.58% और साइंस का 41.56% परिणाम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 10 और 12 की नियमित परीक्षा मार्च महीने में आयोजित की गई थी। लेकिन जिन छात्रों की नियमित परीक्षा में अनुत्तीर्णता हुई थी या जो छात्र अपने परिणाम में सुधार करना चाहते थे, उनके लिए जून महीने में पूरक परीक्षा आयोजित की गई थी। अब इन पूरक परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया गया है।

जुलाई 2025 में राज्यभर के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में लगभग 1.78 लाख छात्रों ने भाग लिया था। जो छात्र नियमित परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाए थे, उनके लिए यह पूरक परीक्षा एक दूसरा अवसर साबित हुई। इस परीक्षा में कुल 27.61त्न छात्र उत्तीर्ण हुए हैं।

पहले घोषित परिणाम:

कक्षा 12 (सामान्य प्रवाह) का परिणाम: 51.58%

कक्षा 12 (साइंस प्रवाह) का परिणाम: 41.56%

वेबसाइट और व्हाट्सएप नंबर के ज़रिए जानें परिणाम

छात्र अपने पूरक परीक्षा का परिणाम GSEB की आधिकारिक वेबसाइट [www.gseb.org] (http://www.gseb.org) पर जाकर देख सकते हैं। इसके अलावा, तकनीक का उपयोग करते हुए छात्र व्हाट्सएप नंबर 6357300971 पर अपना सीट नंबर भेजकर भी अपना परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

हनीट्रैप, ब्लैकमेलिंग और नकली पुलिस बनकर लूट की साजिश का रत्नकलाकार को हनीट्रैप में फँसाने वाली कुख्यात मशरू गैंग पकड़ी गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक कुख्यात गैंग का पर्दाफाश हुआ है जो हनीट्रैप के जरिए लोगों को फँसाकर नकली पुलिस रेड की साजिश रचता था। इस गैंग में महिलाएं पहले शिकार को फँसाती थीं और जैसे ही वो उनके झाँसे में आ जाता, वे कोडवर्ड ''पेपर पहुँच गया है'' बोलती थीं। इसके तुरंत बाद गैंग के पुरुष सदस्य खुद को पुलिस या पत्रकार बताकर फ्लैट में घुस जाते थे और तोड़फोड़ करते हुए शिकार को डराने लगते थे।

इस गैंग ने एक रत्नकलाकार को भी अपना निशाना बनाया था।

आरोपी महिलाओं ने उसे पहले हनीट्रैप में फँसाया और फिर नकली रेड के जरिए उससे पैसे वसूलने की योजना बनाई। पुलिस ने इस गैंग को पकड़ लिया है और पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

इस मामले में हनीट्रैप, ब्लैकमेलिंग और नकली पुलिस बनकर लूट की साजिश का संगठित रूप सामने आया है, सूरत शहर में निर्दोष लोगों को हनीट्रैप में फँसाकर लाखों रुपये ऐंठने वाले एक संगठित गिरोह, जिसे ''मशरू गैंग'' के नाम से जाना जाता है, को सूरत शहर की SOG पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गैंग महिलाओं का इस्तेमाल कर लोगों को जाल में फँसाता था और फिर खुद को पुलिस बताकर रेड डालता था। बलात्कार के केस में फँसाने की धमकी देकर यह गैंग लोगों से भारी फिरौती की माँग करता था। हाल ही में एक हीरा कारखाने में काम करने वाले युवक को भी इसी कुख्यात मशरू गैंग ने हनीट्रैप में फँसाया था।

इस गैंग की कार्यप्रणाली (modus operandi) बेहद सुनियोजित और संगठित थी। अमित मशरू और उसका भाई सुमित मशरू इस गिरोह का संचालन करते थे।

वे अलग-अलग महिलाओं को अपनी गैंग में शामिल करते थे।

ये महिलाएं पहले से संपर्क में आए पुरुषों से दोस्ती करती थीं और उन्हें अपने प्रति आकर्षित करती थीं। व्हाट्सऐप मैसेज और वीडियो कॉल के जरिए यह महिलाएं पुरुषों को एकांत में, पहले से तय किए गए घर या फ्लैट में बुलाती थीं।